

सीएम फंड से हर साल 1500 करोड़ की इलाज सहायता

मुख्यमंत्री ने किया गोरखपुर में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ/गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जरूरतमंद लोगों के इलाज के लिए प्रति वर्ष 1200 से 1500 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए जाते हैं। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा आज की आवश्यकता है। वर्ष 2017 के बाद स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा के विस्तार से सरकार ने प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा को बदला है। पूर्व व वर्तमान सरकार के बीच सबसे बड़ा अंतर यही है कि पहले हर जिले में माफिया पैदा किया गया और अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा दी जा रही है।

सीएम योगी शुक्रवार को बेतियाहाता में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया दिया था, जबकि हमारी सरकार ने प्रदेश की वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज, वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन जैसी योजनाओं का उपहार दिया है। इन योजनाओं से प्रदेश के प्रति धारणा बदलने, नई और मजबूत पहचान बनाने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र का उन्नयन



● चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र का उन्नयन डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता

सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में संपूर्णविश्व की सबसे बड़ी स्क्रीम आयुष्मान भारत संचालित हो रही है। इस स्क्रीम में जो तबके छूट गए, उन्हें यूपी सरकार ने राज्य स्तर पर कवर किया। इस योजना में लाभार्थियों को पांच लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा मुफ्त मिलती है। इसके अलावा वह जरूरतमंद लोगों के इलाज के लिए प्रति वर्ष 1200 से 1500 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन

देखने को मिल रहा है। बिना भेदभाव सबको सुरक्षा, सम्मान और शासन की सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में एकमात्र गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज था, जो खुद ही बीमार था। वास्तव में मेडिकल कॉलेज बीमार नहीं था, बल्कि तत्कालीन सरकारों की मानसिकता बीमार थी, जिन्होंने यहां की जनता को मरने के लिए छोड़ दिया था। आज वही बीआरडी मेडिकल कॉलेज बेहतरीन तरीके से संचालित हो रहा है। गोरखपुर में एम्स की भी सुविधा मिल रही है। गोरखपुर के अलावा महाराजगंज, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, गोंडा, बहराइच, आजमगढ़, गाजीपुर, रायबरेली, अमेठी, मिजापुर, चंदौली में

मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। इन मेडिकल कॉलेज में क्लासेज के साथ हॉस्पिटल भी बेहतरीन तरीके से चल रहे हैं। बलिया में भी मेडिकल कॉलेज को स्वीकृति मिल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकारी अस्पतालों में सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, जबकि 2017 के पहले लखनऊ, दिल्ली, मुंबई सहित सभी बड़े शहरों में इलाज के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों की लंबी कतार नजर आती थी। 12005 में गोरखपुर के जिला अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एके गुप्ता की दुखद मृत्यु कार्डियक अरेस्ट से हो गई थी। तब एक भी आईसीयू बेड नहीं था। डायलिसिस की सुविधा नहीं थी, अच्छे ब्लड बैंक नहीं थे, प्लेटलेट्स की सुविधा नहीं थी। आज गोरखपुर में दो दर्जन से अधिक अस्पताल ऐसे हैं, जहां आईसीयू की सुविधा है। 12007 में गोरखनाथ हॉस्पिटल में 10 बेड के साथ चंद ने एस्ट्रोमेडिक्स हॉस्पिटल के जरिये उनकी स्मृतियों को जीवंत किया है। हॉस्पिटल के शिलापट्ट का अनावरण करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं व चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने परिसर में पूर्व मंत्री स्वर्गीय मार्कण्डेय चंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया और पुष्पार्चन कर उनकी स्मृतियों को नमन किया।

स्वस्थ रहें। फिर भी कभी बीमारी आ गई तो उपचार का केंद्र अच्छा होना चाहिए। उपचार के अच्छे केंद्र के रूप में आज एस्ट्रोमेडिक्स हॉस्पिटल के जरिए एक नई कड़ी जुड़ी है। यूपी में जो स्वास्थ्य क्षेत्र पहले की सरकारों में उपेक्षित था, आज लोगों ने उसमें निवेश करना प्रारंभ किया है। हॉस्पिटल संचालक करना के अभिभावक रहे पूर्व मंत्री मार्कण्डेय चंद की स्मृतियों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मंत्री गोरक्षपीठ के अनन्य भक्त थे। वह किसी भी दल में रहे हों, पीठ के प्रति उनका गहरा लगाव व गहरी आस्था थी। करियर दांव पर लगाकर भी वह संबंधों को महत्व देते थे। सीएम ने एक संस्मरण साझा करते हुए कहा कि मार्कण्डेय चंद ने बसपा सरकार में मंत्री रहते हुए भी विधानभवन में मुझे अपनी कुर्सी पर बैठने के लिए इस आशय से आग्रह किया कि उनके लिए गोरक्षपीठ सर्वोपरि है। उनके पुत्रों सीपी चंद और अरुण चंद ने एस्ट्रोमेडिक्स हॉस्पिटल के जरिये उनकी स्मृतियों को जीवंत किया है। हॉस्पिटल के शिलापट्ट का अनावरण करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं व चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने परिसर में पूर्व मंत्री स्वर्गीय मार्कण्डेय चंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया और पुष्पार्चन कर उनकी स्मृतियों को नमन किया।

आंगनबाड़ी से स्कूल तक आसान होगा सफर मिशन मोड में चल रहा मैपिंग अभियान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का प्राथमिक विद्यालयों के साथ को-लोकेशन और वैज्ञानिक मैपिंग अभियान मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य विद्यालय पूर्व तैयारी (स्कूल रेडीनेस) को मजबूत करना, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा आंगनबाड़ी से विद्यालय तक बच्चों के सहज संक्रमण को सुनिश्चित करना है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त दिशा-निर्देशों के तहत चलाया जा रहे इस अभियान के लिए महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य

मिशन को भी मजबूती प्रदान करेगी। निर्देशों के अनुसार विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में दर्ज किया जाएगा। जो केंद्र विद्यालय परिसर से बाहर हैं, उन्हें दूरी के आधार पर निकटतम प्राथमिक विद्यालय से जोड़ा जाएगा। 200 मीटर के भीतर स्थित केंद्रों की मैपिंग उसी विद्यालय से की जाएगी, ताकि वहां तैयार होने वाला हॉट कुकड मील समय पर बच्चों तक पहुंच सके। जहां विद्यालय परिसर में पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं होगा, वहां शहरी क्षेत्रों में 500 मीटर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में एक किलोमीटर के दायरे में स्थित निकटतम विद्यालय को प्राथमिकता दी जाएगी।

अभियान के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक जिले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी संयुक्त रूप से मैपिंग, यू-डायस अपडेट और पोर्टल पर अपलोड किए गए डेटा का सत्यापन करेंगे।

मन की बात का सामूहिक श्रवण 28 को



विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट में भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर की संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से जन्मदिवस तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गयी है।

28 जून को सभी बूथों बैठक से पूर्व निर्धारित मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया जाएगा। इसके बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी तथा सभी बूथों पर वृक्षारोपण

● भारतीय जनता पार्टी महानगर की संगठनात्मक बैठक संपन्न

किया जाएगा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर गोष्ठी 2 जुलाई को सहकारिता भवन में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उनके जन्म दिवस 6 जुलाई को सभी बूथों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान का स्मरण किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक डा. नीरज बोरा, सुधीर हलवासिया, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, रजनीश गुप्ता, महानगर महामंत्री घनश्याम अग्रवाल, महामंत्री सतेंद्र सिंह, विनायक पांडेय, दीपक शुक्ला उपस्थित रहे।

एलयू के हॉस्टलों का होगा कायाकल्प

नए सत्र में छात्रों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविंवि में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों को लेकर छात्रावासों को बेहतर बनाने का अभियान शुरू कर दिया गया है। विवि प्रशासन ने मुख्य और द्वितीय परिसर के सभी हॉस्टलों में सुविधाओं को दुरुस्त करने की कार्ययोजना तैयार की है। इसका उद्देश्य नए छात्रों को सुरक्षित, स्वच्छ और पढ़ाई के अनुकूल माहौल उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अगुवाई में निर्माण विभाग के सखिल और इलेक्ट्रिकल अनुभाग द्वारा हॉस्टलों के कमरों, मेस, रसोई और अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुधारने का काम तेजी से किया जा रहा है।

एलयू प्रशासन के अनुसार नए सत्र में छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से एचएमएसपोर्टल के माध्यम से होगी। तैयारियों को पूरा करने के लिए वर्तमान छात्रों

छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय परिसर का फायर सेफ्टी ऑडिट भी कराया जाएगा। वहीं, स्वच्छपेयजल के लिए सबमर्सिबल पंप, वाटर कूलर और आरओ सिस्टम को दुरुस्त किया जा रहा है।

किचन और डाइनिंग हॉल होगा बेहतर

मेस, किचन और डाइनिंग हॉल की मरम्मत व पेंटिंग के साथ हॉस्टल तक जाने वाली सड़कों को भी बेहतर किया जा रहा है। क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल और प्रवेश द्वारों की मरम्मत का कार्य भी जारी है।

को 27 जून तक हॉस्टल खाली करने और 28 जून से मेस बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। गर्मी को देखते हुए पंखों की मरम्मत जा सके। बता दें की विश्वविद्यालय के 18 छात्रावासों में कुल 3029 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। इनमें छात्रों के लिए नौ और छात्राओं के लिए नौ हॉस्टल शामिल हैं। छात्रावासों में कमरों की साफ-सफाई, खराब फनीचर की मरम्मत, खिड़कियों और दरवाजों पर मच्छर जाली लगाने का काम किया जा रहा है। इसके अलावा पुराने और खराब शौचालयों का नवीनीकरण,

नई सैनिटरी फिटिंग, पानी की टैंकियों और मोटर पंप की व्यवस्था को भी सुधारा जा रहा है। गर्मी को देखते हुए पंखों की मरम्मत और जरूरत के अनुसार नए पंखे लगाए जा रहे हैं। हॉस्टलों की विद्युत व्यवस्था की जांच के साथ मेन स्विच और डिस्ट्रीब्यूशन बोर्ड भी बदले जाएंगे। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय की प्राथमिकता छात्रों को सुरक्षित और बेहतर सुविधाओं वाला वातावरण देना है ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

मां भारती के प्रति अटूट प्रेम, त्याग व राष्ट्रभक्ति का अमर मंत्र है वंदे मातरम

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर राष्ट्रीय वंदे मातरम के अमर रचयिता, युग मनीषी श्रद्धेय बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय तथा सामाजिक न्याय एवं समानता के अग्रदूत राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति-चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन नमन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि राष्ट्रगीत ह्रदयें मातरम मां भारती के प्रति अटूट प्रेम, बलिदान, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति का ऐसा अमर मंत्र है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असंख्य क्रांतिकारियों और देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार किया। श्रद्धेय बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने साहित्य और कालजयी कृति आनंदमठ के माध्यम से जन-जन में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी का राष्ट्रगीत वंदे मातरम आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक प्रबल करता है। उनका साहित्य एवं राष्ट्र के प्रति



समर्पण सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। श्री मौर्य ने सामाजिक न्याय के पुरोधा राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान, शिक्षा और समान अवसर दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शिक्षा, सामाजिक सुधार और वंचित वर्गों के उत्थान के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज ने सामाजिक समानता और न्याय के विचारों को केवल व्यक्त ही नहीं किया, बल्कि उन्हें व्यवहार में लाए कर समाज में परिवर्तन की मजबूत नींव रखी। उनके विचार आज भी समतामूलक समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं।

शादी अनुदान योजना से ओबीसी परिवारों को राहत, 5 हजार बेटियां लाभान्वित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गरीब एवं जरूरतमंद अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग देने वाली योगी सरकार की शादी अनुदान योजना लगातार प्रभावी साबित हो रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरूआत से अब तक 5,032 ओबीसी बेटियों को योजना का लाभ मिल चुका है। सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में 1.05 लाख लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

प्रदेश सरकार के अनुसार, बेटी की शादी गरीब परिवारों के लिए बड़ी आर्थिक जिम्मेदारी होती है। ऐसे में शादी अनुदान योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही है। शुरूआती महीनों में ही हजारों पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचना इसकी प्रभावी क्रियान्वयन व्यवस्था को दर्शाता है। कुल लाभार्थियों में 4,178 ऐसे आवेदक भी शामिल हैं, जिन्होंने मार्च में विवाह होने पर उसी महीने आवेदन किया था। योजना के तहत पात्र परिवारों को बेटी के विवाह के लिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहती है। योजना के

संचालन में सरकार ने संवेदनशील वर्गों को विशेष प्राथमिकता दी है। विकलांग, विधवा, दैवीय आपदा से प्रभावित तथा भूमिहीन परिवारों के आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाता है, जिससे सबसे अधिक जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता मिल सके।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.16 लाख से अधिक पात्र परिवारों को शादी अनुदान योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। इस वर्ष भी सरकारी लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि शादी अनुदान योजना अन्य पिछड़ा वर्ग के जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि 20 हजार रुपये की सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजी जा रही है, जिससे पारदर्शिता बनी हुई है और समय पर आर्थिक सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार पिछड़े वर्ग के उत्थान और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा यह योजना गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है।

नशे की लत पूरी दुनिया के लिए चुनौती

नशा दुनिया के लिए चुनौती और समाज के लिए अभिशाप बन चुकी है

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। 'मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर शुक्रवार को मध्य निषेध विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से चौधरी चरण सिंह सभागार, सहकारिता भवन में राज्य स्तरीय मध्य निषेध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि नशे की लत पूरी दुनिया के लिए चुनौती और समाज के लिए अभिशाप बन चुकी है।

कार्यक्रम में मंत्री ने उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए

गए 'नशा मुक्त भारत अभियान' का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को नशे से बचाना है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनकी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश तेज गति से विकास कर रहा है और युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से बचाकर ही राज्य और देश की प्रगति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और सivil सौसायटी से नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव समाज कल्याण अनुराग यादव ने कहा कि नशा मुक्त भारत का लक्ष्य केवल सरकारी प्रयासों से पूरा नहीं होगा, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर

बलरामपुर चिकित्सालय के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.के. श्रीवास्तव ने मादक पदार्थों के सेवन के मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों तथा उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मद्य निषेध विभाग की ओर से आयोजित नशा मुक्ति प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को आबकारी मंत्री एवं अन्य अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। राज्य मद्य निषेध अधिकारी आर.एल. राजवंशी ने विभाग की उपलब्धियों और नशा मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी रमेश कुमार, जिला मद्य निषेध अधिकारी नीतू वर्मा सहित विभाग के कई अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सपा ने चढ़ावा चोरी और चंदा चोरी की उठायी आवाज : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जनता से हार गयी तो सांसद खरीदने की योजना बना रही है ताकि भारतीय संविधान में मनमाने संशोधन करने में सफल हो सके। भाजपा सरकार की तरह हिटलर भी जबरदस्ती बहुमत हासिल कर तानाशाह बन बैठा था। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में भाजपा को प्रदेश की सत्ता से हटाकर लोकतंत्र बचाना है। यूपी ही देश को बचा सकता है। उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा को सबक सिखाने की ताकत रखती है। भाजपा सरकार में चोट चोरी, चंदा चोरी, चढ़ावा चोरी हो रही है। भगवान श्रीराम की कृपा से समाजवादी पार्टी ने चढ़ावा चोरी और चंदा चोरी की आवाज उठायी। श्री यादव ने कहा कि कमीशनखोरी के कारण पुलों, सड़कों और पानी की टैंकों को का बेहद घटिया निर्माण हुआ। भ्रष्टाचार के कारण कुछ भी टिकाऊ नहीं है। लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार जरूरी है, नहीं तो उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव देश का अंतिम चुनाव होगा। समाजवादी पार्टी कार्यकताओं से कहा कि सब मिलकर कार्य करें। भाषा और व्यवहार ठीक रखे। जनता के बीच रहकर सम्पर्क और मदद करें।

पर्यटन विकास कार्यों का विधायक ने किया अवलोकन

लखनऊ। उत्तर विधानसभा क्षेत्र के दीनदयाल नगर, खदरा स्थित नानक शाही मठ के सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास का कार्य कराया जा रहा है। शुक्रवार को

क्षेत्रीय विधायक डा. नीरज बोरा ने निष्ठाशीली कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की।

विधायक ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए जा रहे यात्री हाल, प्रसाधन गृह एवं अन्य विकास कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यवाही संस्था के प्रतिनिधियों को गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। नानक शाही मठ के आचार्य महंत धर्मेन्द्र दास जी महाराज, पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक प्रीति श्रीवास्तव, कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2026-27 प्रवेश प्रक्रिया के तहत परास्नातक और पीजी प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को राहत दी है। विवि ने केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 जून कर दी है। इससे पहले ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 जून निर्धारित थी। अब अभ्यर्थियों को पांच दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पीजी और पीजी प्रोफेशनल कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनिल गौरव की ओर से जारी सूचना में बताया गया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जा रही है। विवि प्रशासन ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे आवेदन पत्र भरने से पहले संबंधित पाठ्यक्रमों की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज और अन्य दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें ताकि आवेदन में किसी प्रकार की त्रुटि न हो।



अलीगंज अग्निकांड : जांच रिपोर्ट में पूरी इमारत अवैध, अग्नि सुरक्षा के नहीं थे इंतजाम

15 मौतों के मामले में एलडीए की जांच पूरी, मानकों के विपरीत निर्माण और निगरानी में लापरवाही उजागर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के मामले में गठित लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की पांच सदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट एलडीए उपाध्यक्ष (वीसी) को सौंप दी है। जांच में संबंधित इमारत को पूरी तरह अवैध बताया है हुए मानकों के विपरीत निर्माण, अग्नि सुरक्षा उपायों का अभाव, संकरा प्रवेश मार्ग और आवासीय भवन का व्यावसायिक उपयोग हादसे के प्रमुख कारण बताए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, बेसमेंट सहित तीन मंजिला इमारत के प्रत्येक तल पर स्वीकृत मानचित्र से अधिक निर्माण किया गया था। पूरे प्लॉट को कवर कर निर्माण करने के कारण आवश्यक सेटबैक नहीं छोड़ा गया, जिससे आग लगने की स्थिति में बचाव और राहत का प्रभावित हुए। जांच में यह भी सामने आया कि इमारत में आने-जाने के एकमात्र संकरे रास्ते पर एसी की



अलीगंज अग्निकांड में बड़ा खुलासा

- बेसमेंट सहित तीन मंजिला इमारत के प्रत्येक तल पर स्वीकृत मानचित्र से अधिक निर्माण किया गया था**

आउटर यूनिट और एग्जॉस्ट फैन लगाए गए थे, जिससे निकासी मार्ग और बाधित हो गया। समिति ने पाया कि एलडीए से भवन का मानचित्र आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत कराया गया था, जबकि मौके पर उसका उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। इसके अलावा भवन में अग्निशमन सुरक्षा से जुड़े आवश्यक इंतजाम भी नहीं थे। जांच रिपोर्ट में एलडीए के प्रवर्तन तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार अवैध निर्माण की समय रहते निगरानी और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। वर्ष 2016 में जारी

ध्वस्तीकरण आदेश वापस लेने के बाद भी यह सत्यापित नहीं किया गया कि निर्माण स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप किया जा रहा है या नहीं। सोमवार को हुई इस भीषण आग की घटना के बाद एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। समिति में मुख्य नगर नियोजक के.के. गौतम, मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता (विद्युत-यांत्रिक) मनोज सागर तथा संपत्ति हैं। रिपोर्ट के अनुसार अवैध निर्माण की समय रहते निगरानी और प्रभावी कार्रवाई एवं विशेष कार्याधिकारी रवि नंदन सिंह को सदस्य बनाया गया था। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि

घटनास्थल के निरीक्षण के साथ ही भवन के आवंटन और स्वीकृत मानचित्र से संबंधित अभिलेखों की भी जांच की गई है। समिति की रिपोर्ट एलडीए उपाध्यक्ष को सौंप दी गई है। अब रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच में जो तथ्य सामने आए हैं कि बेसमेंट सहित तीन मंजिला बिल्डिंग के हर तल पर मानक के अधिक निर्माण किया गया। सुरक्षा को दरकिनारकर पूरे प्लॉट को कवर कर निर्माण किया। आने जाने एक मात्र रास्ते में ही एसी की आउटर यूनिट और एग्जास्ट फैन लगाए गए थे। मानचित्र आवासीय पास कराया गया था और उपयोग व्यावसायिक किया जा रहा था। एलडीए के प्रवर्तन विभाग की ओर से अवैध निर्माण की निगरानी में ढिलाई की गई और कार्रवाई नहीं की गई। ध्वस्तीकरण आदेश होने के बाद उसे 2016 में वापस लिया गया। आदेश वापस लेने के बाद यह नहीं जांच की गई कि मौके पर निर्माण मानचित्र के अनुरूप हो रहा है कि नहीं।

कोचिंग व व्यावसायिक भवनों में अग्नि सुरक्षा का चला जांच अभियान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज सेक्टर-डी स्थित कोचिंग भवन में हुए भीषण अग्निकांड के बाद उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवाएं विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में महानिदेशक, उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवाएं तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के नामित अधिकारियों के साथ मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में शुक्रवार को राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष संयुक्त जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत होटल, कोचिंग संस्थान, अस्पताल, बैंकवेट हॉल, गोदाम, ऑनलाइन परीक्षा केंद्र, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास मार्ग, अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन तथा आपदा की स्थिति में बचाव संबंधी व्यवस्थाओं का मौके पर जांचकर परीक्षण किया। गोसाईगंज अग्निशमन



केंद्र के प्रभारी अधिकारी ने एलडीए के जोनल अधिकारी के साथ क्षेत्र के नमन हेल्थ केयर, अमेटी फिटनेस वर्ल्ड, पैसिफिक पिज्जा, आर.एस. मेडिकल सेंटर, मिश्रा पॉली क्लीनिक, जी.सी. मंगलम हॉस्पिटल और के.एल. मोटर्स का निरीक्षण किया। इस दौरान कर्मचारियों और उपस्थित लोगों को आग लगने के कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित निकासी की जानकारी दी गई।

बीकेटी क्षेत्र में होटल, गोदाम और परीक्षा केंद्र की जांच : बीकेटी क्षेत्र में एलडीए जोन-5 के अधिकारियों के साथ एस विजन स्टेशनी गोदाम, ए.पी. इंटरप्राइजेज प्रिंटिंग प्रेस, सन टेस्टिंग सेंटर ऑनलाइन एजाम सेंटर, रक्षा होटल, फ्लिकिट ई-कॉमर्स, श्रीपति होटल

एंड बैंकवेट तथा होटल स्काई इन सहित सात प्रतिष्ठानों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। यहां भी कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और आपदा प्रबंधन की जानकारी दी गई।

गोमतीनगर में होटल और व्यावसायिक परिसर की जांच : गोमतीनगर और पीजीआई क्षेत्र में दमकल अधिकारियों ने एलडीए जोन-1 के अधिकारियों के साथ डीएलएफ माई पैड तथा होटल स्योर स्टे का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा उपकरणों की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इंदिरानगर क्षेत्र में कामा पैथ लैब, अनुदुप इंस्टीट्यूट, पूर्वालक भवन बुकशॉप, होटल कपूर इन, स्याम स्वाद रेस्टोरेंट, इम्पीरिया न्यूरो साइंसेज एंड मल्टी

स्पेशियलटी, होटल वैष्णवी इन और होटल वेव सहित आठ प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान एक प्रतिष्ठान में अग्नि सुरक्षा मानकों की कमी पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया, जबकि अन्य संस्थानों को निर्धारित समय में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम पूरे करने के निर्देश दिए गए। शुक्रवार को चले अभियान में कुल 24 कोचिंग एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इनमें से एक प्रतिष्ठान को अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने पर नोटिस जारी किया गया, जबकि शेष प्रतिष्ठानों को सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।

अग्नि सुरक्षा को लेकर चलाया जागरूकता अभियान : निरीक्षण के साथ-साथ दमकल विभाग ने विभिन्न संस्थानों में

दो दिन और सतायेगी लू, 29 जून से बदलेगा मौसम

- 30 जून से प्रदेश में प्रवेश कर सकती है मानसून**

बाराबंकी और बहराइच में तीव्र लू ने लोगों को बेहाल कर दिया। तापमान की बात करें तो 43.2 डिग्री सेल्सियस के साथ लखीमपुर खीरी देश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। सबसे अधिक 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान हरियाणा के रोहतक में दर्ज किया गया।

उत्तर प्रदेश में बांदा और आगरा में 43 डिग्री, लखनऊ में 42.4 डिग्री, जबकि फतेहगढ़, अलीगढ़ और कानपुर में 42.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। ऑर्चलिक मौसम

मानसिक मद्दित ने तारों में आग लगाई, 870 घरों की बत्ती गुल

लखनऊ। हजरतगंज के सीआईटी कार्यालय के पास मानसिक मद्दित युवक ने आधी रात के बाद बिजली के तारों में आग लगा दी। इससे करीब 870 उपभोक्ताओं को घंटों बिना बिजली के रहना पड़ा। साथ ही, बिजली विभाग को लगभग 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पूरी घटना पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है द। जेई आलोक कुमार सिंह ने हजरतगंज कोठवाली में मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार गोखले मार्ग निवासी आरोपी विशाल ने 23 जून की तड़के करीब 3:35 बजे दो बिजली के खंभों पर आग लगाई थी। इसके चलते 800 उपभोक्ताओं की बिजली सवा घंटे और 70 उपभोक्ताओं को आपूर्ति साड़े चार घंटे तक बाधित रही। एसबीआई और मातु छाया जैसी व्यावसायिक इमारतों की बिजली भी एचटी के बेल जलने से आठ घंटे तक ठप रही। आग की वजह से मोबाइल नेटवर्क के तार और उपकरण भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसी साल 26 और 27 मार्च को भी उसने अलग-अलग इलाकों में बिजली के तारों में आग लगाई थी, जिससे तब 1500 उपभोक्ता प्रभावित हुए थे और दो लाख का नुकसान हुआ था। पुलिस ने उसे 29 मार्च को गिरफ्तार भी किया था। सुल्तानगंज चौकी प्रभारी मधुकर सिंह ने बताया कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार है। स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंपा था, जिसके बाद उसे इलाज के लिए केजीएमयू ले जाया गया।

जेपीएनआईसी मामले में एलडीए के दो पूर्व इंजीनियर 7 जुलाई को तलब

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित बहुचर्चित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) परियोजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं की विभागीय जांच एक बार फिर तेज हो गई है। शासन के निर्देश पर चल रही कार्रवाई के तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के तत्कालीन मुख्य अभियंता डी.पी. सिंह और तत्कालीन अधिशासी अभियंता पूरन कुमार को 7 जुलाई को लखनऊ मंडल के आयुक्त के समक्ष व्यक्तिगत सुनवाई के लिए तलब किया गया है।

दोनों अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने शासन से स्वीकृत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) से बाहर बिना अनुमति अतिरिक्त कार्य कराए तथा निर्धारित सीमा से अधिक राशि की निविदाएं स्वीकृत कर अनुबंध किए, जिससे वित्तीय अनियमितता हुई। इन्हें आरोपों के



आधार पर वर्ष 2018 में विभागीय कार्रवाई शुरू की गई थी। अधिशासी अभियंता रहे पूरन कुमार के विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकार प्राधिकरण केंद्रीकृत सेवा नियमावली के तहत विभागीय जांच चल रही है, जबकि सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता डी.पी. सिंह के खिलाफ सीएसआर के अनुच्छेद-351ए के तहत कार्रवाई की जा रही है। दोनों अधिकारियों को अपना पक्ष रखने का अंतिम अवसर दिया गया है। 17 जुलाई को आयुक्त कार्यालय में होने वाली व्यक्तिगत सुनवाई के बाद जांच अधिकारी अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेंगे, जिसके आधार पर आगे की विभागीय कार्रवाई और अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

पेट शॉप के फ्रीजर से लगी थी आठ अलीगंज अग्निकांड : चार मंजिला अवैध इमारत में लगी थी भीषण आग

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। अलीगंज की चार मंजिला अवैध इमारत में आग लगने की वजह पेट शॉप के गोदाम में रखे फ्रीजर में शॉर्ट सर्किट बताई गई है।

फर्स्ट फ्लोर पर कुत्ता-बिल्ली के सामान का गोदाम था। सबसे पहले फ्रीजर का तार जला, जिसके बाद आग इमारत पर लगे बैनर और होर्डिंग्स तक पहुंच गई। लपटें बढ़ते ही एसी के कंप्रेसर में जोरदार विस्फोट हुआ। इसके बाद आग भूतल पर प्रवेश द्वार के पास लगे एसी के आउटडोर यूनिट्स तक पहुंच गई, जिससे एक के बाद एक नौ आउटडोर यूनिट धू-धू कर जलने लगे। इसी दौरान नीचे खड़ी बुलेट समेत तीन बाइकों भी आग की लपटों से घिर गईं। बाइकों के प्यूल टैंक फटते ही आग पूरी तरह बेकाबू हो गई। यह खुलासा अग्निशमन विभाग की तपत्तीश में हुआ है।

इमारत में नहीं थे अग्नि सुरक्षा उपकरण : मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने आग लगने के कारणों और उसके विकराल होने के तमाम बिंदुओं का जिक्र करते हुए एसआईटी के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। इसके साथ ही इमारत का नजरी नक्शा भी रिपोर्ट के साथ संलग्न किया गया है। जांच में सामने आया कि भवन स्वामी वीरेंद्र शुक्ला ने दमकल विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया था और इमारत में स्मोक सेंसर जैसे कोई भी अग्नि सुरक्षा उपकरण नहीं लगे थे। अग्निशमन विभाग ने अपनी रिपोर्ट में इन सभी गंभीर बिंदुओं को शामिल किया है। इसके अलावा, किस तल पर कौन सा ऑफिस संचालित था और आग किन परिस्थितियों में भड़की, इसकी पूरी जानकारी दी गई है। तीन दिन तक चली गहन तपत्तीश के बाद दमकल विभाग ने अपनी यह विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है, जिसका अध्ययन

करने के बाद एसआईटी अपनी अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी। **कैसे इमारत में फैली आग :** पेट्स शॉप के वेयर हाउस में रखे फ्रीजर में शार्ट सर्किट के बाद तार जला, आग इमारत में लगे बैनर और होर्डिंग में पहुंची। लपटें बढ़ने से एसी के कंप्रेसर में विस्फोट हुआ। भूतल पर प्रवेश द्वार के पास लगे एसी आउटर तक पहुंची आग। एक के बाद एक नौ आउटर धू-धू कर जले नीचे खड़ी तीन बाइकें आग की लपटों से घिर गईं, फ्यूल टैंक फटा और आग बेकाबू हो गई। **लखनऊ अग्निकांड में 15 की हुई थी मौत :** लखनऊ अग्निकांड में 15 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें ज्यादातर एग्निमेशन सेंटर के छात्र थे। जिनकी उम्र 20 से 25 साल के बीच में थी। इस मामले में कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सीएम योगी के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई है। जो जल्द इस मामले की जांच रिपोर्ट सौंपेंगे।

केजीएमयू में बच्चों को 36 घंटे में नहीं मिला मुकम्मल इलाज

लखनऊ। केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग में इलाज में हीलाहवाली का एक और मामला सामने आया है। बहराइच से नवजात शिशु का इलाज कराने आए परिवारीजन 36 घंटे तक भटकते रहे। लेकिन बच्चे को मुकम्मल इलाज नहीं मिल सका। थकहार कर परिवारीजन शिशु को लेकर पीजीआई पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने आंख बचाने के लिए महंगे इंजेक्शन की डोज दी। पीडित परिवारीजनों ने मामले को शिकायत मुख्यमंत्री पोटल पर की। आरोप हैं कि कार्रवाई के बजाय अधिकारियों ने शिकायत को फर्जी निस्तारित कर रिपोर्ट लगा दी। जिस पर पीडित पक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई है। बहराइच निवासी तौफीक मोहम्मद अंसारी महाराष्ट्र में कैंटरिंग मेनेजर हैं। वह अपने 19 दिन की शिशु को लेकर 26 मई को केजीएमयू पहुंचे। बच्चे की आंख की रोगाणी बचाने के लिए तत्काल इंजेक्शन की जरूरत थी। केजीएमयू में उन्हें ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। जहां से चौथे तल पर बंदे बच्चों

बॉयस ऑफ लखनऊ | 3

एलडीए के 100 अधिकारी व इंजीनियर जांच के दायरे में

- 2016 से 2026 तक तैनात अधिकारियों की तैयार हो रही सूची, एसआईटी ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट**



के अधिकारियों को तलब कर आग प्रभावित भवन, अवैध निर्माण, मानचित्र स्वीकृति और विभिन्न स्तरों पर हुई कथित लापरवाही के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार और एक अपर सचिव ने शासन स्तर पर अधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष

रखा। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने यह भी पूछा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एलडीए क्या कदम उठा रहा है। इससे पहले एसआईटी ने भवन के आवंटन, स्वीकृत मानचित्र और ध्वस्तीकरण आदेश वापस लिए जाने से संबंधित सभी फाइलें भी एलडीए से तलब की थीं, जिन्हें जांच टीम को उपलब्ध करा दिया गया है।

एलडीए अब विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शासन और एसआईटी को सौंपने की तैयारी में है। साथ ही संपत्ति, मानचित्र और विहित प्राधिकारी से जुड़े कुछ अधिकारियों को शनिवार को बयान दर्ज कराने के लिए भी बुलाया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों की जवाबदेही तय करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केजीएमयू के नये कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के नए कुलपति की नियुक्ति करने की प्रक्रिया तेज हो गयी है। चार जुलाई को कुलपति पद के लिए पहले चरण का इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। देशभर से आठ वरिष्ठ डाक्टरों को स्क्रीनिंग कमेटी के सामने इंटरव्यू के लिए बुलाया गया है। साक्षात्कार सुबह 11 बजे से शुरू होगा। आठ उम्मीदवारों में दो मौजूदा विश्वविद्यालयों के कुलपति भी हैं। इसके अलावा एक पूर्व कुलपति और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक रह चुके डॉक्टर भी दावेदारों में शामिल हैं। कमेटी में पीजीआई निदेशक डॉ. आरके धीमन, पटना एम्स के पूर्व निदेशक और केजीएमयू के हड्डि रोग विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जीके सिंह, एक न्यायाधीश और शासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इंटरव्यू के बाद कमेटी तीन नामों का पैनाल तैयार कर कुलाधिपति को भेजेगी। केजीएमयू के कुलपति पद पर नियुक्ति के लिए राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी की ओर से 20 अप्रैल को विज्ञापन जारी किया गया था। आवेदन की अंतिम तारीख 15 मई निर्धारित थी। देशभर से करीब 42 डाक्टरों ने आवेदन किया था।

केजीएमयू की कैटीन में खानेपीने की चीजों में दिखा कॉरक़ोर

लखनऊ। केजीएमयू के शताब्दी फेज-2 की कैटीन में मरीजों और तीमारदारों की सेहत से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। यहां खाने-पीने की वस्तुएं रखने वाले फ्रीजर के अंदर कॉरक़ोर टहलते हुए दिखाई दिए। शुक्रवार को फ्रीजर में मौजूद कॉरक़ोर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कैटीन की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। शताब्दी फेज-1 और फेज-2 को जोड़ने वाले रैंप के पास कैटीन है। इसमें रोजाना बड़ी संख्या में मरीज, तीमारदार और कर्मचारी खाने-पीने की चीजें खरीदते हैं। कई बार मरीजों के लिए भी यहीं से खाद्य सामग्री ले जाई जाती है। ऐसे में फ्रीजर में रखे सामान पर कॉरक़ोर की मौजूदगी से संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ गई है। तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल परिसर में चलने वाली कैटीनों में खाद्य सामग्री की नियमित जांच होती चाहिए। ताकि मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित भोजन मिल सके।

पीएमएस के अध्यक्ष बने डा. यशवीर तो महामंत्री डा. शरद



लखनऊ। प्रांतीय चिकित्सा संघ की नयी कार्यकारिणी शुक्रवार को गठित हो गयी। दिन भर चली मतगणना के बाद डा. यशवीर सिंह (बागपत)निर्वाचित घोषित किये गये। इसी प्रकार महामंत्री पद के लिए डा. शरद वैश्य (लखनऊ) चुने गये।पीएमएस संघ के राज्य चुनाव समिति के सचिव डा. ग्यासुद्दीन खान ने बताया कि उपाध्यक्ष पद के लिए डा. मोहित कुमार, उपाध्यक्ष (सामान्य) के लिए डा. क्षेपाल यादव, डा. जगमोहन, डा. यशोधर्न को निर्वाचित किया गया है। उपाध्यक्ष (महिला) डा. प्रीति सिंह, अपर महामंत्री डा. विशाल सिंह, वित्त सचिव के लिए डा. प्रवीन कुमार और सम्पादक के लिए डा. मो. जमील अनवर चुने गये हैं।

टाटा एआईए ने लॉन्च किया नया मल्टीफैक्टर इंडेक्स फंड

लखनऊ। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने 'मल्टीफैक्टर इंडेक्स फंड' लॉन्च किया है। फंड निफ्टी 500 की कंपनियों में से कम उतार-चढ़ाव, क्वालिटी, वैल्यू और मोमेंटम जैसे चार प्रमुख फैक्टर्स के आधार पर 50 कंपनियों का चयन करता है। कंपनी का दावा है कि यह रणनीति बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने में मदद करेगी। यह एनएफओ निवेश के लिए 30 जून 2026 तक खुला रहेगा।

अवैध निर्माण रोकने में एलडीए के प्रवर्तन तंत्र की लापरवाही उजागर

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के प्रवर्तन तंत्र की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मामले की जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि अवैध निर्माणों के विरुद्ध समय रहते कार्रवाई नहीं किए जाने से न केवल नियमों की अनदेखी हुई, बल्कि गंभीर हादसे की जमीन भी तैयार हुई। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2016 में तत्कालीन एलडीए उपाध्यक्ष ने बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित भवनों को सील करने और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और अपर अभियंता स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। माना जा रहा है कि यदि उस समय अवैध निर्माणों पर सख्ती से कार्रवाई होती, तो अलीगंज अग्निकांड जैसी घटना को रोका जा सकता था। एलडीए ने अवैध निर्माणों पर अंकुश लगाने के लिए 22 प्रवर्तन चौकियां भी बनाई थीं, लेकिन इसके बावजूद शहर में बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण लगातार होते रहे।



मोहर्रम पर मातम करते मुस्लिम समुदाय के लोग



मोहर्रम जुलूस में शामिल हुए मुस्लिम युवा



मोहर्रम के जुलूस में उमड़ा हुजूम

फोटो-अमित वर्मा

अकीदत से निकला मोहर्रम का जुलूस, या हुसैन की सदाओं से गूंजा शहर



वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को दसवीं मुहर्रम पर यौमे-आशूरा का जुलूस कड़ी सुरक्षा के बीच निकाला गया। इस दौरान या हुसैन या हुसैन की सदाओं से शहर गूंजा रहा। जुलूस में बड़ों के साथ बच्चे भी शामिल हुए। इस दौरान हर अजादार मातम-ए-हुसैन की का सोगवार था। जुलूस विकटोरिया स्ट्रीट से अकबरी गेट, नक्खास और बिल्लौरापुरा होता हुआ दरगाह अब्बास पहुंचा। जुलूस के लिए शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। चौक के इमामबाड़ा नाजिम साहब से बड़े ही गमगीन माहौल में दसवीं मोहर्रम का जुलूस निकाला गया।

इस दौरान नाजिम साहिब इमामबाड़े से जैसे ही अजादार अलम लेकर बाहर आए। वहां मौजूद हजारों अजादारों ने उसे चूम्ना शुरू कर दिया। जुलूस के आगे अकीदतमंद मातम कर रहे थे। साथ ही पीछे अलम को छूकर लोग मन्तर्ते मांग रहे थे। इसमें जायरीन खंजर, चाकू, जंजीर लेकर खुद को लहलुहान कर मातम मना रहे थे। मातम में छोटे बच्चों से लेकर बड़े तक शामिल थे। गमजदा महिलाएं यह खूनी मंजर देखकर रो रही थीं। जुलूस में हजारों की संख्या में लोग मातम देख रहे थे जो गमगीन हो जाते थे उन पर पुलिस की विशेष निगरानी थी। ड्रोन कैमरा भी लगातार जुलूस पर विशेष नजर बनाये हुए था।

पेश किया खून का पुरसा: आशूर की शब से शुरू हुआ कमा-जंजीर का मातम आशूर के दिन जुलूस में भी जारी रहा। जैसे ही मजलिस खत्म हुई जुलूस निकलना शुरू

हुआ अजादारों ने जबरदस्त कमा-जंजीर का मातम कर शहजादी को अपने खून का पुरसा पेश किया। हर कोई अपनी कमा व जंजीर लिए था। कमा,जंजीर के मातम में बड़ों के साथ मासूम बच्चें भी शामिल हुए।
अंधेरे में हुई मजलिस शाम-ए-गरीबा: इमामबाड़ा गुफराम्आब में मजलिस शाम-ए-गरीबा को मौलाना ने खिताब किया। मौलाना ने जब कर्बला में शाम मे गरीबा का मंजर बयान किया तो मजलिस में कोहराम बरपा हो गया, अजादार रोते हुए अपने घर गये।
यह मजलिस अंधेरे में होती जिसमें ना बैठने के लिए फर्श बिछा होता हैं और ना ही टेंट होता है। क्योंकि हजरत इमाम हुसैन अ.स. और उनके 71 साथियों की दर्दनाक शहादत के बाद इमाम की बहन शहजादी जनाबे जैनब स.अ. बीमार बेटे हजरत जैनुल आब्दीन अ.स. इमाम मोहम्मद बाकिर अ.स. और बेटा शहजादी जनाबे सकीना स.अ. सहित अन्य लोग कर्बला के मैदान में अंधेरे में बिना फर्श व टेंट के बैठे हुए थे। इसी की याद में यह मजलिस का आयोजन होता है। इसके अलावा रौजाए काजमैन में मौलाना ने मजलिस शाम ए गरीबा को खिताब किया।

कमा-जंजीर का मातम: आशूर की शब से शुरू हुआ कमा-जंजीर का मातम आशूर के दिन जुलूस में भी जारी रहा। जैसे ही मजलिस खत्म हुई जुलूस निकलना शुरू हुआ अजादारों ने जबरदस्त कमा-जंजीर का मातम कर शहजादी को अपने खून का पुरसा पेश किया। हर कोई अपनी कमा व जंजीर लिए था। कमा-जंजीर के मातम में बड़ों के साथ मासूम बच्चें भी शामिल हुए।



मजलिस शाम-ए-गरीबा: इमामबाड़ा गुफराम्आब में मजलिस शाम-ए-गरीबा को मौलाना ने खिताब किया। मौलाना ने जब कर्बला में शाम मे गरीबा का मंजर बयान किया तो मजलिस में कोहराम बरपा हो गयाए लोग रोते हुए अपने घर गये। यह मजलिस अंधेरे में होती जिसमें ना बैठने के लिए फर्श बिछा होता हैं और ना ही टेंट होता है। क्योंकि हजरत इमाम हुसैन अ.स.

और उनके 71 साथियों की दर्दनाक शहादत के बाद इमाम की बहन शहजादी जनाबे जैनब स.अ. बीमार बेटे हजरत जैनुल आब्दीन अ.स., इमाम मोहम्मद बाकिर अ.स. और बेटा शहजादी जनाबे सकीना स.अ. सहित अन्य लोग कर्बला के मैदान में अंधेरे में बिना फर्श व टेंट के बैठे हुए थे।
फर्श-ए-खाक पर पढ़ी नमाज: हजरत इमाम हुसैन अ.स. और उनके 71

वरिष्ठ समाजसेवी माधुरी तिवारी का निधन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। डालीगंज निवासी 90 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती माधुरी तिवारी का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि श्रीमती माधुरी तिवारी अत्यंत मिलनसार और सबको साथ लेकर चलने वाली महिला थीं। यही कारण था कि मोहल्ले के लोग हर वर्ष उनका जन्मदिन बहुत धूमधाम से मनाते थे। उनका अंतिम



समिति के राजेश त्रिपाठी, मोनू निगम, आशीष प्रकाश, शिवाकांत, विपिन शर्मा, मधुर मोहन तिवारी, मधुसूदन तिवारी और शारदा मोहन उपस्थित रहे।

संस्कार बैकुंठ धाम में किया गया। इस अवसर पर मनकामेश्वर वाई के पाषंद रणजीत सिंह, डालीगंज वाई के पाषंद प्रतिनिधि सुदर्शन कटियार, भाजपा नगर महामंत्री घनश्याम अग्रवाल, रज्जू चौरसिया, मौसमगंज रामलौला

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। ब्रह्मलीन पूर्व सहयकन्न कुँवर जी मिश्र की काव्यपुस्तक 'अनमोल रचनाएं' का लोकार्पण आज यूपी प्रेस क्लब में हुआ। पद्मश्री डॉ अनिल रस्तोगी व स्माइलमैन सर्वेश अस्थाना व से नि मुख्य वन संरक्षक अशोक दीक्षित व प्रधान वनसंरक्षक नारायणमूर्ति ने लोकार्पण किया। प्रसिद्ध गायिका व बेटा आरुषि कुँवर के संचालन में हुये इस लोकार्पण में कुँवर जी के पुत्र अक्षाय



मिश्र व दामाद विनय साहू ने स्वागत किया व कुँवर जी की पत्नी श्रीमती मंजू मिश्रा ने हुये इस लोकार्पण में कुँवर जी के पुत्र अक्षाय

अस्थाना ने कुँवर जी और आरुषि से जुड़े कुछ अच्छे संस्मरण सुनाए व पुस्तक की समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा काव्य समाज का गायन तो करता ही है साथ ही काव्य आत्मा की आवाज है। मुख्य री अनिल रस्तोगी ने कुँवर जी की कविता धर्मिता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर योगी योगेश शुक्ल समेत नगर के अनेक साहित्यकार व वन विभाग अधिकारी उपस्थित हुये।

'जन्मकल्याणक महोत्सव': हाथी पर निकले आदिनाथ भगवान



वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। पारसनाथ धाम, अमेठिया काकोरी में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को 'जन्मकल्याणक महोत्सव' अभूतपूर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तीर्थंकर बालक भगवान ऋषभदेव के जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर

समूचा परिसर 'जयकारा आदिनाथ का' और 'णमो अरिहंताण' के दिव्य जयघोषों से गुंजायमान हो उठा।
भव्य शोभायात्रा और ऐरावत हाथी पर जन्माभिषेक प्रातःकाल भगवान के जन्माभिषेक के बाद एक भव्य और ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई। इस भव्य जुलूस में हाथी, घोड़े और बगियां शामिल थीं, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। महोत्सव के

मुख्य पात्र सौधर्म इंद्र विशाल जैन एवं मेधा जैन ने तीर्थंकर बालक को 'ऐरावत हाथी' पर अत्यंत श्रद्धाभाव से विराजमान किया। इसके बाद भव्य जुलूस निवाणां लॉन स्थित पांडुक शिला पर पहुंचा, जहां भगवान का 1008 कलशों से महा-जन्माभिषेक विधि-विधान से संपन्न कराया गया।
?इस दिव्य अनुष्ठान में कुबेर इंद्र रोहित जैन व रवेता जैन, महायज्ञनायक

पी.के. जैन सहित सभी उपस्थित इंद्रों ने सौधर्म इंद्र के साथ पांडुक शिला पर अभिषेक कर परम पुण्य का अर्जन किया। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के दर्शन किए और 'भारतगौरव, दिव्यशक्ति, गणिनी प्रमुख आर्थिका रब श्री 108 ज्ञानमती माताजी' की ओर से भावबीरान 'नमोस्तु' निवेदित किया। इस अवसर पर आचार्य श्री ने माताजी को आदरपूर्वक 'अम्मा' संबोधित करते हुए उनकी कुशल-क्षेम पूछी। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में मुख्य संयोजक बृजेश जैन 'बंटी', संजीव जैन, संदीप जैन, स्वागताध्यक्ष आदिश जैन, कोषाध्यक्ष रितेश जैन, विशाल जैन, अभिषेक जैन, नितिन जैन, शुभचंद्र जैन तथा जागेश जैन मौजूद रहे।

एक प्रोफेसर, छात्रा और नौकरानी की कहानी है 'द लेसन'

● अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में नाटक का मंचन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगर के प्रतिष्ठित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था श्रद्धा मानव सेवा कल्याण समिति लखनऊ द्वारा भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के 47वें मीटिंग के अन्तर्गत स्वीकृत वित्तीय सहयोग से आयोजित समारोह के तृतीय व अंतिम दिवस में आकांक्षा थियेटर आर्ट्स, लखनऊ द्वारा सुप्रसिद्ध मूल नाट्य रचना का अनुवादन श्रद्धा बोस द्वारा किया गया द लेसन का नाट्य मंचन निर्देशक तुषार बाजपेयी के कुशलनिर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में किया गया।

नाटक के मंचन से पूर्व उदघाटन एवं वीप प्रज्जवलन डा. अचिन रस्तोगी के अतिरिक्त डा. संजय मेहरोत्रा एवं डा. चंदना मेहरोत्रा द्वारा किया गया। नाटक के कथानक के अनुसार द लेसन एक एकांकी नाटक है। कहानी एक प्रोफेसर, एक छात्रा और एक नौकरानी के इर्द-गिर्द घूमती है। एक दिन 18 साल की एक छात्रा पढ़ाई करने के लिए प्रोफेसर के घर आती है। वह डॉक्टरेट की परीक्षा की तैयारी कर रही होती है। शुरूआत में छात्रा बहुत उत्साहित



आत्मविश्वासी और बातूनी होती है। दूसरी ओर प्रोफेसर शांत और विनम्र दिखाई देता है। प्रोफेसर उसे गणित पढ़ाना शुरू करता है। पहले सवाल आसान होते हैं, जिनका छात्रा सही जवाब दे देती है। लेकिन धीरे-धीरे प्रोफेसर कठिन और अजीब सवाल पूछने लगता है। छात्रा उससे उलझ जाती है और गलतियाँ करने लगती है। इसके बाद प्रोफेसर भाषा और शब्दों (फिलोलाजी) का पाठ पढ़ाने लगता है। वह लगातार बोलता रहता है और ऐसे-ऐसे तर्क देता है जिनका कोई स्पष्ट अर्थ नहीं होता। छात्रा उसकी बातें समझ नहीं पाती। वह थकने लगती है और उसके दौत में दर्द भी होने लगता है। जैसे-

बाद नौकरानी बताती है कि प्रोफेसर पहले भी बहुत-सी छात्राओं की हत्या कर चुका है। लेकिन उनसे कोई पछतावा नहीं होता। थोड़ी देर बाद एक नई छात्रा पढ़ने के लिए आ जाती है और नाटक वहीं समाप्त हो जाता है। नाटक में प्रोफेसर की भूमिका में केशव पंडित, मेड की भूमिका में मृदुला भारद्वाज एवं छात्रा की भूमिका ने मिनी दीक्षित द्वारा मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया नाटक का सेट डिजाईनिंग तुषार बाजपेयी का था सेट निर्माण राम प्रकाश का था प्रकाश परिकल्पना विकास दुबे का था संगीत संचालन अंकुर सक्सेना का था मंच प्रबन्धक अहमद रजा खान का था।

विकास कार्यों की ‘रफ्तार’ ने थामी मथुरा की ‘सांसें’, वैकल्पिक मार्ग भी पड़े छोटे



मथुरा। धर्मनगरी मथुरा में इस समय विकास कार्यों और निर्माण की वजह से आम जनता को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नया बस स्टैंड और भूतेश्वर रेलवे पुल पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण शहर की पूरी यातायात व्यवस्था वॉटलेटर पर आ गई है। वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव इस कदर बढ़ गया है कि चंद मिनटों का सफर घंटों में तब्दील हो रहा है।

प्रशासन द्वारा रूट डायवर्जन की सूचना दिए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर इसका पालन होता नहीं दिख रहा है। स्टेट बैंक चैराहे पर लोग अनजाने में या लापरवाही वश नए बस स्टैंड की ओर जाने की

कोशिश कर रहे हैं, जिससे वहां रह-रहकर भयंकर जाम लग रहा है।

स्टेट बैंक चौराहे से आगे बढ़ने के लिए वाहन चालकों के पास केवल दो ही रास्ते बचते हैं।

पहला रूट: सौख अड्डा होते हुए भरतपुर गेट की तरफ, दूसरा रूट: धौलीप्याऊ होते हुए नेशनल हाईवे की तरफ, इन दोनों ही मार्गों पर अचानक गाड़ियों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। सड़कें संकरी होने और वाहनों का दबाव अत्यधिक होने के कारण इन रूट्स पर पहिए पूरी तरह थम गए हैं। ?वाहनों के इस भारी दबाव का असर पूरे शहर में देखा जा रहा है। वर्तमान में नरहौली चैराहा, मंडी चैराहा, गोवर्धन चैराहा,

कृष्णा नगर, श्री कृष्ण जन्म स्थान और क्वालिटी तिराहे पर वाहनों का भारी दबाव है। इन चैराहों पर सुबह से लेकर देर रात तक भीषण जाम की स्थिति बनी हुई है जिससे स्थानीय निवासियों के साथ-साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी उठानी पड़ रही है। अब तक जाम से बचने के लिए लोग किशोरीरमन कॉलेज से अमरनाथ होते हुए लिंक रोड का इस्तेमाल कर निकल जाते थे। लेकिन बदकिस्मती से आगे श्री जी बाबा आश्रम के सामने भी निर्माण कार्य शुरू होने की वजह से यह लाइफलाइन रोड भी पूरी तरह ठप हो गई है। अब जनता के पास निकलने का कोई सुरक्षित रास्ता नहीं बचा है। यह ट्रैफिक जाम किसी एक दिन की समस्या नहीं है। शहर में चल रहा निर्माण कार्य कम से कम एक हफ्ता और अधिकतम 10 से 15 दिन और चलने की संभावना है। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में हालात और बदतर हो जाएंगे। ?प्रशासन और पुलिस के आलाा अधिकारियों को तुरंत संज्ञान लेते हुए इन सभी प्रमुख पॉइंट्स (स्टेट बैंक, सौख अड्डा, धौलीप्याऊ, नरहौली, मंडी, गोवर्धन चैराहा, कृष्णा नगर, जन्मस्थान और क्वालिटी तिराहा) पर अतिरिक्त पुलिस बल और यातायात कर्मियों (ट्रैफिक पुलिस) की तैनाती करना चाहिए। इसके साथ ही रूट डायवर्जन को कड़ाई से लागू कराने के लिए हर चैराहे पर जिम्मेदारी तय होना बेहद जरूरी है ताकि जनता को इस महाजाम से थोड़ी राहत मिल सके।

संक्षेप बिजेथुआ महावीरन मंदिर विकास समिति का चुनाव 28 को

सुलतानपुर। बिजेथुआ महावीरन मंदिर विकास समिति की प्रबंध समिति का निर्वाचन 28 जून (रविवार) को संपन्न होगा। पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम पांडेय ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया प्रातः दस बजे से शुरू होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। इसके बाद दोपहर डेढ़ बजे से तीन बजे तक मतदान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि चुनाव की निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए डिप्टी रजिस्ट्रार, अयोध्या मंडल ने तहसीलदार कादीपुर को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही समिति के पात्र सदस्यों की सूची भी जारी कर दी गई है।

श्रीमहाराज अग्रसेन सेवा समिति का एकादशी उद्यापन आयोजित

मथुरा। श्री महाराजा अग्रसेन सेवा समिति एवं संघ वैश्य ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में दो दिवसीय सामूहिक एकादशी उद्यापन का आयोजन बृहस्पतिवार और शुक्रवार को दिल्ली मसानी लिंक रोड स्थित अग्रवाल वाटिका में श्रद्धा और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ बृहस्पतिवार को वृंदावन के हरिदास पीठाधीश्वर राधा प्रसाद देवजू महाराज एवं मोहिनी शरण महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। मुख्य संरक्षक जयंती प्रसाद अग्रवाल, संस्थापक विशन दयाल सराफ तथा कृष्ण मुरारी सराफ ने भगवान लक्ष्मी-नारायण और महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि राधा प्रसाद देवजू महाराज ने एकादशी व्रत उद्यापन की कथा सुनाते हुए इसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, मोहिनी शरण महाराज ने एकादशी व्रत के धार्मिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी। इसके बाद आचार्य शशांक पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमानों से वेदी पूजन व एकादशी पूजन-अर्चन संपन्न कराया।

घेवर पर चूहे कूढ़ने का वीडियो वायरल, खाद्य विभाग ने दुकान पर मारा ध्वा



मथुरा। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद तीर्थनगरी के स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो में सोंख रोड मंडी चैराहा स्थित प्रसिद्ध कालीचरण मिठाई वाले की दुकान पर घेवर और अन्य मिठाइयों के ऊपर चूहे घूमते हुए दिखाई देने का दावा किया गया है। वीडियो के सामने आते ही शहर के खाद्य बाजार में हड़कंप मच गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम तुरंत हरकत में आ गई।

हर्ष हॉस्पिटल में 28 जून को लगेगा फ्री न्यूरों मेगा कैप, वरिष्ठ न्यूरों सर्जन संदीप चौहान देंगे परामर्श

मथुरा। अड़ींग कस्बे के भवनपुरा मोड़ स्थित हर्ष हॉस्पिटल में आगामी 28 जून, रविवार को एक विशाल फ्री न्यूरों मेगा कैप का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय स्कूल के पास स्थित इस कैप में क्षेत्र के मरीजों को प्रसिद्ध और वरिष्ठ न्यूरों सर्जन द्वारा निशुल्क परामर्श और चिकित्सा सहायता प्रदान की जाएगी। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। कैप के संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. अशोक कुमार बिड़ुड़ी ने बताया कि मरीजों का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) कैप वाले दिन ही सुबह 8 बजे से शुरू हो जाएगा। कैप के दौरान श्रीगोवर्धन एडवांस न्यूरों ट्रॉमा एंड मल्टीस्पेशलिटी सेंटर (टाउनशिप, मथुरा) के वरिष्ठ न्यूरों सर्जन डॉ. सन्दीप चैहान द्वारा हेड इंजरी व सड़क दुर्घटना में घायल गंभीर रोगी, सिर और रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर या ट्यूमर, ब्रेन ट्यूमर और दिमाग की नस फटना (ब्रेन हैमरेज), सिर में पानी भरना (हाइड्रोसेफलस) व दिमागी बुखार, लकवा/अधरंग (ब्रेन स्ट्रोक) और मिरगी रोग, पुराना सिर दर्द, माइग्रेन, चक्कर आना या चेहरे पर दर्द होना (ट्राइजेमिनल न्यूरेल्लिज्मा), स्पाइन टी.बी. (पोट्सडिसीज), स्पोर्ट्सलोलिस्थीसिस व गर्दन का अकड़ना, साइटिका, डिस्क हर्निया, कमर दर्द, हाथ-पैरों का सुन्न होना, दर्द फैलना व बच्चों में जन्मजात गांठ (मैनिंगोमायलोशिल) के लक्षणों और बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया जाएगा। इस मेगा कैप में आने वाले मरीजों की सहूलियत के लिए विशेष राहत का ऐलान किया गया है। शिविर के दौरान मरीजों को दवाइयों पर 15 प्रतिशत की छूट और अन्य जरूरी जांचों पर 20 प्रतिशत की भारी छूट दी जाएगी।

श्रद्धालुओं के प्राणों की रक्षा करने वाले नाविक व गोताखोर सम्मानित

● प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

जिला संवाददाता (vol)

मथुरा। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, मथुरा के तत्वावधान में आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के उपरांत केसी घाट, वृन्दावन पर दिनांक 10 अप्रैल, 2026 को घटित नाव दुर्घटना के दौरान अद्वितीय साहस, त्वरित निर्णय क्षमता एवं उत्कृष्ट मानव सेवा का परिचय देते हुए 14 श्रद्धालुओं के प्राणों की रक्षा करने वाले नाविकों एवं गोताखोरों को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, नगर निगम मथुरा-वृन्दावन के अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह तथा मुख्य अतिथि नगर आयुक्त प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से



प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सभी नाविकों एवं गोताखोरों के अद्वितीय साहस, कर्तव्यपरायणता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं मानवीय सेवा-भाव की मुक्तकंठ से सराहना की गई। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में अपने व्यक्तिगत हितों एवं प्राणों की परवाह किए बिना मानव जीवन की रक्षा हेतु तत्परतापूर्वक कार्य करना सर्वोच्च मानवीय दायित्व का

परिचायक है। केसी घाट की घटना के दौरान नाविकों एवं गोताखोरों द्वारा प्रदर्शित साहस, धैर्य, सूझबूझ एवं त्वरित बचाव कार्य के परिणामस्वरूप 14 श्रद्धालुओं का जीवन सुरक्षित बचाया जा सका, जो न केवल जनपद मथुरा बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्पद एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं। बैठक के दौरान यमुना नदी में सुरक्षित नौका संचालन, नावों पर निर्धारित क्षमता का अनुपालन, प्रत्येक

बांकेबिहारी मंदिर के पास बने इन दो भवनों से बड़ा खतरा

● तीन दिन का दिया अल्टीमेटम फिर किये जायेंगे ध्वस्त

मथुरा। वृंदावन बांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में जर्जर और खतरनाक भवनों को लेकर नगर निगम ने सख्ती बढ़ाते हुए दो मकानों को ध्वस्तीकरण के लिए चिह्नित किया है। भवन स्वामियों को मरम्मत के लिए तीन दिन का अंतिम मौका दिया गया है, अन्यथा निगम कार्रवाई करेगा।

श्रीबांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में नोटिस के बाद भी भवन स्वामियों द्वारा जर्जर भवनों की मरम्मत न कराए जाने पर नगर निगम ने सख्तरवैया अपनाया है। निगम ने मंदिर क्षेत्र के दो भवनों को चिह्नित कर उनके ध्वस्तीकरण की तैयारी शुरू कर दी है। इससे पहले निगम की टीम ने भवन स्वामियों को चेतावनी दी है। उन्हें मरम्मत के लिए तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। श्रीबांकेबिहारी मंदिर की गली नंबर पांच में सुधीर गोस्वामी के मकान का छज्जा गिरने से हुए हादसे के बाद जागे

नगर निगम ने अब तक 235 मकानों जर्जर एवं गिरासू मकानों को चिह्नित कर उनमें रह रहे लोगों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस के जरिए लोगों उन्हें 15 दिनों में जर्जर और गिरासू भवनों की मरम्मत या फिर उस भाग को हटाने के निर्देश दिए हैं। 15 दिन में यदि भवन स्वामियों ने इस मामले में किसी तरह का सुधार नहीं किया तो नगर निगम द्वारा भवन स्वामियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। नोटिस जारी करने के बाद निगम ने बांकेबिहारी मंदिर में पुनः सर्वे कार्य शुरू कर घर-घर दस्तक देकर ऐसे भवनों को चिह्नित कर रही है, जिनमें नोटिस के

बाद भी सुधार नहीं किया गया। निगम ने सुधीर गोस्वामी के समीप एक भवन चिह्नित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं बांकेबिहारी बाजार में पुरानी आर्ट गैलरी के समीप एक और भवन को कार्रवाई के लिए चिह्नित किया है। अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक ने बताया कि बांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में दो भवनों के स्वामियों का निगम ने नोटिस देने के बाद पुनः चेतावनी दी है। यदि उन्होंने तीन दिनों में सुधार कार्य नहीं किया गया तो नगर निगम ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने अहिल्याबाई की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के लिए जनसंपर्क किया



फिरोजाबाद/टूंडला। 30 जून को मांडल स्कूल ग्राउंड एमोहापुर में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा अनावरण एवं जयंती समारोह के सफल आयोजन हेतु केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने टूंडला क्षेत्र के गांव कोटकी नगला कलुआ जाजपुर आदि में जनसंपर्क कर क्षेत्रवासियों को कार्यक्रम में सम्मान आमंत्रित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,399

दिनों तक सेवा देने की ऐतिहासिक उपलब्धि तथा भाजपा सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई।

जाजपुर में श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित होने का सौभाग्य

ग्राम जाजपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पावन अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो.एस.पी. सिंह बघेल सम्मिलित हुए। इस अवसर पर

उनोंने सरस कथावाचक पूज्या साध्वी प्रिया जी महाराज के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को अपने प्रेरणादायी विचारों से संबोधित करते हुए सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र निर्माण में आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला इस पावन आयोजन के सफल आयोजन हेतु आयोजक गिरराज सिंह एवं फूलवती जी का हार्दिक अभिन्दन करते हुए प्रो.बघेल ने उनके उत्तम स्वागत, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। साथ ही प्रो. एस.पी. सिंह बघेल जी ने 30 जून 2026 को मांडल स्कूल ग्राउंड, एमोहापुर में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की प्रतिमा अनावरण एवं जयंती समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का ससम्मान आग्रह किया।

भाजपा के ब्रज क्षेत्रीय अध्यक्ष ने किये बांकेबिहारी के दर्शन

प्रभावी ढंग से लागू किए जाने के निर्देश भी संबंधित विभागों को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, यमुना निषाद सेवा समिति के पदाधिकारी, सम्मानित नाविक एवं गोताखोर तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में जिला प्रशासन, मथुरा द्वारा यह विश्वास व्यक्त किया गया कि जनहित एवं मानव जीवन की रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले ऐसे साहसी एवं कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों को भविष्य में भी उचित सम्मान एवं प्रोत्साहन प्रदान किया जाता रहेगा। साथ ही जनपदवासियों से अपील की गई कि यमुना नदी में नौका विहार अथवा अन्य जल गतिविधियों के दौरान प्रशासन द्वारा निर्धारित समस्त सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष अथवा संबंधित विभाग को उपलब्ध कराएं।

प्रभावी ढंग से लागू किए जाने के निर्देश भी संबंधित विभागों को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, यमुना निषाद सेवा समिति के पदाधिकारी, सम्मानित नाविक एवं गोताखोर तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में जिला प्रशासन, मथुरा द्वारा यह विश्वास व्यक्त किया गया कि जनहित एवं मानव जीवन की रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले ऐसे साहसी एवं कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों को भविष्य में भी उचित सम्मान एवं प्रोत्साहन प्रदान किया जाता रहेगा। साथ ही जनपदवासियों से अपील की गई कि यमुना नदी में नौका विहार अथवा अन्य जल गतिविधियों के दौरान प्रशासन द्वारा निर्धारित समस्त सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला नियंत्रण कक्ष अथवा संबंधित विभाग को उपलब्ध कराएं।

मुहर्रम पर ताजियों का जुलूस निकाल किया सुपुर्द ए खाक



टूंडला। मुहर्रम के अवसर पर शहीद-ए-कबला हजरत इमाम हुसैन की याद में ताजियों का जुलूस श्रद्धापूर्वक लाइनगर से मोहम्मदाबाद तक निकाला गया। शाम को ताजियों को गांव की यादगार में मोहम्मदाबाद में सुपुर्द-ए-खाक किए गये। शुक्रवार को मोहर्रम के अवसर पर शहीद-ए-कबला हजरत इमाम हुसैन की याद में अलम और ताजिया के जुलूस निकाले गए। इन जुलूसों में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। उन्होंने या हुसैन की सदाओं के बीच मातम कर इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को याद किया। जुलूस लाइनगर नगला मस्जिद से शुरू हुआ जो विभिन्न मार्ग से होते हुए निर्धारित मार्गों से गुजरा। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और शवंत व पानी की व्यवस्था की। ताजियों के साथ चल रहे अकीदतमंदों ने अमन भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया। इस मौके पर जुलूस मोहम्मदाबाद पहुंचा जहां ताजियों को सुपुर्द ए खाक किया गया। इस अवसर पर मुहर्रम कमेटी द्वारा नगर के समाजसेवियों पत्रकारों का सफा बांधकर व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नगर भाजपा की बैठक संपन्न

टूंडला। भारतीय जनता पार्टी टूंडला नगर की आवश्यक बैठक नगर के स्टेशन रोड स्थित भाजपा कार्यालय पर सम्पन्न हुई जिसमें बृथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष आजाद जैन की तथा संचालन शक्ति केन्द्र संयोजक रामतीर्थ सिंह चक ने किया। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष आजाद जैन ने बताया कि आगामी 28 जून से छः जुलाई तक एक विशेष अभियान के निमित्त प्रत्येक बृथ पर एक आवश्यक बैठक सम्पन्न होगी जिसमें बृथ कमेटी एवं पन्ना प्रमुखों को सरल एप के माध्यम से संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए बृथ सत्यापन एवं अन्य कार्यशीर्ष नेतृत्व द्वारा सीप हैं उनका निष्ठा पूर्वक करना है। बैठक में मुख्य रूप से आशुतोष गर्ग, राजन सिंह निषाद, सीवी पाठक, विकाश शर्मा, प्रमोद चक, हरीश चंदानी, सोनू कश्यप, कीशल तिवारी, आशु चौधरी, मुकेश पचौरी, रिकू सविता, राकेश दिवाकर, उमेश गुप्ता, तरुण शर्मा, राजेश अग्रवाल, महेन्द्र झा, ब्रजपाल सविता, कन्हैया पोनिवा आदि लोग मौजूद रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती को लेकर जिला योजना बैठक संपन्न

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी, जिला मथुरा की योजना बैठक आज गुरुवार को जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गदकरी ने निदेशानुसार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पक्ष (23 जून 6 जुलाई 2026) के सफल आयोजन हेतु विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि डॉ. मुखर्जी के 125वें जन्मवर्ष के अवसर पर जिले के सभी 1356 बूथों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 23 जून बलिदान दिवस एवं 6 जुलाई जन्मदिवस पर प्रत्येक बृथ पर बृथ अध्यक्ष के निवास परिसर में डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा। जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें तीन विषयों-सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान, केंद्रीय मंत्री के रूप में भूमिका तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक



अध्यक्ष के रूप में योगदान पर उद्बोधन होगा। 28 जून से 6 जुलाई तक बृथ प्रशिक्षण एवं सरल एप के माध्यम से डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम चलाया जाएगा। एक पेड़ माँ के नाम अभियान भी संस्मरण पक्ष के साथ चलाया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक देश में दो विधान, दोनिशान नहीं चलेंगे के सपने को साकार किया है। 16 जुलाई को जिले के प्रत्येक बृथ पर माल्यार्पण कार्यक्रम अनिवार्य है। सभी कार्यकर्ता कार्यक्रम की फोटो सरल एप पर अपलोड करें। बैठक में जिला उपाध्यक्ष अनिल चैधरी, जगमोहन पाठक, कमल वाण्य, वीरचंद्र गुर्जर, मुकेश वाण्य, मनीषा पाराशर, मुदिता शर्मा, रेखा निषाद, जिला महामंत्री सत्यपाल चैधरी, अमन ठाकुर, आकाश चैधरी, जिला मंत्री, ज्ञानेंद्र चैहान, निर्मला बघेल, अजय जाटव, रनवीर सिंह, भानु प्रताप, ओमप्रकाश सैनी, सुरेश तरकर, सभी जिला पदाधिकारी एवं मंडलों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।



बाँके बिहारी जी का आशीर्वाद उन्हें संगठन के प्रति और अधिक समर्पण, सेवा और निष्ठा के साथ कार्य करने की शक्ति प्रदान करेगा। उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उनका लक्ष्य संगठन को बृथ स्तर तक और अधिक अन्त्य जनता, प्रत्येक

है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से ब्रज क्षेत्र में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा तथा राष्ट्रहित, संगठनहित और जनसेवा के संकल्प के साथ सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी, ललित गौतम, विनोद शर्मा, ठाकुर सुरेंद्र सिंह, अंकुर गुर्जर, मनोज ठाकुर सोनोट, दीपक गोला, जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, वृजेश अहेरिया, बलराम शर्मा, संजय शर्मा, पूर्व महापौर डॉ. मुकेश अग्रवाल, पार्षद मुकेश सारस्वत उपसभापति, पार्षद प्रकाश अग्रवाल, गणेश, धर्मेश नौहवार, प्रणय पाराशर, राजू चैधरी, लोकेश निषाद, अवधेश उपाध्याय, हेमंत खंडौली, जितेंद्र वाण्य, कुलदीप शर्मा, सतपाल चैधरी, अनिल चौधरी, ज्ञानेंद्र सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रौद्योगिकी में निवेश

भारत को अपनी आजादी के 100वें वर्ष में विकसित राष्ट्र बनने का सपना साकार करना है, तो अब सरकार को महज घोषणओं और भाषणबाजी तक सीमित रहने के बजाय गंभीर प्रयास करने होंगे। अगर योजना और मिशन सिर्फ भाषणों और घोषणओं तक सीमित रहेंगे, तो जो हाल ‘मेक इन इंडिया’ का हुआ है, वही हाल इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का भी होगा। इसलिए सरकार को देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए भारी निवेश करना होगा। दरअसल आत्मनिर्भरता की तरफ आगे बढ़ाने, मेक इन इंडिया को सफल बनाने और प्रौद्योगिकी से जुड़ी अर्थव्यवस्था को कई गुना विकसित करने के लिए यह जरूरी है कि सेमीकंडक्टर चिप के निर्माण, अनुसंधान और विकास की दिशा में ठोस पहल करे। देश में इसके लिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया गया है और इस पर दस अरब डॉलर की सब्सिडी देने का प्रस्ताव है। इसका अधिकांश हिस्सा आवंटित भी किया जा चुका है। अब अगर हम वैश्विक संदर्भ में तुलना करें तो अमरीका ने अपनी कंपनी इंटेल को मजबूत करने के लिए 40 अरब डॉलर का पैकेज दिया है। जबकि अमरीका में विश्व विख्यात एनवीडिया, टेक्सस इंस्ट्रूमेंट्स जैसे दर्जनों दिग्गज कंपनियां



हैं और चिप टेक्नोलॉजी में लीडरशिप है। चिप निर्माण में भले ताइवान बहुत आगे हो लेकिन चिप के डिजाइन, अनुसंधान, विकास और उच्च क्षमता की प्रौद्योगिकी अमरीका के ही पास है। अगर अमरीका सब कुछ होते हुए भी सिर्फ एक कंपनी को 40 अरब डॉलर की मदद करता है, तो इससे समझा जा सकता है कि इस क्षेत्र में कितने बड़े निवेश की जरूरत है। भारत सरकार ने 10 अरब डॉलर की सब्सिडी रखी है सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए लेकिन प्रचार इतना अधिक है मानो पूरी दुनिया को पीछे छोड़ दिया गया है। यह सही है कि देश चिप बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है लेकिन इसके लिए प्रचार से अधिक प्रयास की जरूरत है। इसके लिए सरकारी प्रयासों के साथ ही बड़े निवेश की जरूरत है। अगर सिर्फ प्रचार ही अधिक होगा तो ठोस उपलब्धियां शायद ही हासिल की जा सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेमी कंडक्टर उद्योग के लोगों से बातचीत में कहा है कि भारत आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल करेगा। सेमीकंडक्टर मिशन को सरकार से अन्य प्रकार के समर्थन की तुलना में कहीं अधिक मात्रा में सब्सिडी प्राप्त हुई है। इस मिशन ने कुछ उल्लेखनीय सफलताएं भी हासिल की हैं। जैसा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव बताते हैं। मिशन के दूसरे चरण में उपयुक्त माहौल बनाने पर ध्यान देना एक तरह से स्वाभाविक बदलाव है। उम्मीद की जानी चाहिए कि दूसरे चरण में शामिल छोटे और मझोले उपक्रमों को उनके पूंजीगत व्यय के साथ कम मदद की आवश्यकता होगी। सरकार ने यह भी ध्यान दिया होगा कि कई निवेशकों द्वारा जगह का चयन इस बात से निर्धारित हो रहा है कि उन्हें कैसा माहौल मिल पा रहा है। उदाहरण के लिए सीजी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स (ताइवान की पावरचिप के साथ) दोनों ने गुजरात में दाहेज केमिकल्स क्लस्टर के निकट बनने वाले संवंत्रों में निवेश किया है। इससे उन्हें चिप उत्पादन प्रक्रिया के लिए जरूरी करीब 250 गैसों उपलब्ध हो सकती हैं। कई बातें ऐसी भी हैं कि जिन्हें सरकार को ध्यान में रखना होगा। संपूर्ण सेमीकंडक्टर इको सिस्टम विकसित करने और भारी निवेश के साथ ही तमाम तरह की अन्य सुविधाएं देकर बड़ी कंपनियों को लाना भी जरूरी है तभी भारत का सेमीकंडक्टर मिशन और चिप निर्माण का सपना साकार होगा।



ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हमहीं हैं, जो अपनी आंख पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अधकार है। करेगा।

–स्वामी विवेकानन्द.

जिस दिन कोई संत अतिथि रूप में आता है, उस दिन आतिथेय को उसके दर्शन से उतना पुण्य मिलता है, जितना करोड़ों तीर्थ–स्थान से प्राप्त होता है।

–सूरदास.

संगठन में अपार शक्ति है। संगठित होकर ही शक्तिशाली शत्रु पर विजय पायी जा सकती है।

–गेटे.

पुस्तकों का मूल्य रतों से भी अधिक है। क्योंकि रत्न बाहरी चमक–दमक दिखाते हैं जबकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्ज्वल करती हैं।

–महात्मा गांधी.



आप की बात

नियोजित विकास जरूरी

राजधानी लखनऊ के सबसे बड़े लॉजिस्टिक और आपूर्ति केन्द्र ट्रांसपोर्ट नगर में एक बिल्डिंग ढहने से कई लोगों की मौत हो गयी। इस दुर्घटना के बाद तरह–तरह की खबरें सामने आ रही हैं। इस क्षेत्र में अन्य बिल्डिंगों की जांच और सर्वे किया जा रहा है, स्वीकृत मैप के विपरीत बिल्डिंग बनवाने की बात सामने आ रही है। अब यहां पर सवाल यह है कि अगर नक्शे के विपरीत यह बिल्डिंग बनी थी, तो जब बन रही थी या बनने के बाद इस पर कार्रवाई क्यों नहीं की गयी। अगर निर्माण के समय ही कारवाई की जाती, तो जिन आठ लोगों को इसमें जान गंवानी पड़ी उनको बचाया जा सकता था। लेकिन यह कोई पहली बार नहीं है। जब स्कूल वाहनों से दुर्घटना होती है तो तमाम स्कूली बच्चों पर आफत आ जाती है, अचानक उनकी जांच शुरू हो

खाद्य सुरक्षा के लिए संकट बनेगा मानसून

जून लगभग खत्म होने को है। लेकिन अभी तक इस साल जून माह में होने वाली मानसूनी बारिश का महज 42 से 43 फीसदी ही हुई है। इसके कारण आम किसानों से लेकर नीति-निर्माताओं तक की पेशानी में बल पड़ गये हैं। क्योंकि अगर जैसा कि आशंका है, बारिश अगले एक पखवाड़े तक और न हुई या बेहद कम हुई तो देश के 315 जिलों में कृषि संबंधी आकस्मिक योजनाएं लागू करनी पड़ेंगी। क्योंकि कम बारिश से न केवल शहरों के लिए पेय जल का संकट मंडराने लगा है बल्कि खरीफ फसल के भी बेहद कमजोर होने की आशंका पैदा हो गई हैं। इसका साझा नतीजा देश की खाद्यन सुरक्षा पर पड़ता लगा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चहान ने गुजरे 23 जून 2026 को कहा है कि मानसून में देरी के कारण खरीफ फसलों की बुआई पर बेहद प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उनके मुताबिक देश के 111 जिले में तो स्थिति बहुत ही खराब है, क्योंकि यहां अभी तक इस साल 25 फीसदी बारिश भी नहीं हुई और यहां सिंचाई के साधनों की भी बेहद कमी है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अभी तक 2 जुलाई 2026 को समाप्त होने वाले सप्ताह तक मानसून के कमजोर रहने की आशंका है, इसके बाद बेहतर होने की उम्मीद है। जहां तक खरीफ की फसल बोने का सवाल है, तो 22 जून 2026 तक खरीफ फसल के रकबे में से 10 प्रतिशत की बुआई हो चुकी थी। हालांकि अभी तक इस 10 प्रतिशत रकबे में पिछले साल के मुकाबले ज्यादा बुआई हुई है। 2025 में जहां अब तक 1.13 करोड़ हेक्टेयर में बुआई हुई थी, वहीं इस साल अब तक 1.17 करोड़ हेक्टेयर की बुआई हो चुकी है। लेकिन अगर बारिश न हुई तो न केवल बोई हुई फसलों का नुकसान होगा बल्कि किसानों को अच्छी खासी आर्थिक चपत भी लग सकती है। गौरतलब है कि खरीफ फसलों की बुआई मुख्यतः जून मध्य से जुलाई पहले सप्ताह तक हो जाती है। लेकिन इस साल जून के आखिरी हफ्ते में अभी तक महज 10



सामूहिक समर्पण और पुरुषार्थ से राष्ट्र की समृद्धि अक्षुण्ण रहती है, यह भावना नयी ऊर्जा देती है और विकास के संकल्पों को सिद्ध तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है। पीएम मोदी



संस्कारों के बीज

संस्कार बचपन से ही हमारे मनोमस्तिष्क में पौधे की तरह रोपे जाते हैं। सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाये तो स्पष्ट होता है कि सम्पूर्ण जीवन प्रवाह एवं उसकी उपलब्धियां वस्तुतः श्रद्धा की ही परिणति है। मां अपना अभिन्न अंग मानकर नौ माह तक अपने गर्भ में बच्चे का सेवन करती है। अपने रक्त मांस को काटकर शिशु को पोषण प्रदान करती है। श्रद्धा का यह उत्कृष्ट स्वरूप है जिसका बीजारोपण मां बच्चे में संस्कार के रूप में करती है। निःस्वार्थ भाव से उसको संरक्षण देती है। अनावश्यक भार कष्टों का जंजाल समझने का कुतर्क उठे तो नव शिशु प्रादुर्भाव ही संभव न हो सकेगा। यह श्रद्धा ही है जिसके कारण बच्चा मां के सीने से चिपकने, स्नेह दुलार पाने के लिए लालायित रहता, रोता कलपता रहता है। मुक्त भाषा वाणी से रहित नवशिशु की श्रद्धा एक मात्र मां के ऊपर ही होती है। माता-पिता भी निश्छल हृदय से बच्चे के विकास के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। खाने, पीने स्वास्थ्य संरक्षण से लेकर शिक्षा दीक्षा के झंझट भरे सरंजाम जुटाते हैं। समग्र विकास ही उनका एक मात्र लक्ष्य होता है। तर्क तो हर बात को उपयोगिता की कसौटी पर कसता है। इस आधार पर कसने पर माता पिता को हर दृष्टि से घाटा ही घाटा दिखायी पड़ेगा। बात तर्क की मान लीजाये तो बच्चे का अस्तित्व ही शंका में पड़ जायेगा। दृष्टिमात्र उपयोगितावादी हो जाये तथा यह परम्परा प्रत्येक क्षेत्र में चल पड़े तो परिवार एवं समाज विश्र्वखलित हो जायेगा। सभ्यता को अधिक दिनों तक जीवित नहीं रखा जा सकेगा। श्रद्धा ही पारिवारिक जीवन को स्नेह सूत्र में बांधे रहती है। सहयोग करने अन्य सदस्यों के लिए अपने स्वार्थों का उत्सर्ग करने की प्रेरणा देती है। पारिवारिक विघटनों में इसका अभाव ही कारण बनता है। पति पत्नी के बीच मनमुटाव, सदस्यों के बीच टकराहट का कारण अश्रद्धा है। तर्क एवं उपयोगिता की कसौटी पर कसने पर तो वृद्ध माता-पिता का महत्व भी समझ में नहीं आता। वे भर के रूप में ही दिखाई पड़ते हैं। किन्तु श्रद्धा दृष्टि है कि उनका कितना ऋण चढ़ा है। उनके आशीर्वाद स्नेह को पाने की कामना आजीवन बनी रहती है। यह भाव दृष्टि तो श्रद्धा की ही उपलब्धि है। जो सदा एक युवक को माता-पिता के समक्ष नतमस्तक किये रहती है। मनुष्य के व्यक्तित्व की ढलाई श्रद्धा की भट्टी के सानिध्य में होती है। इस श्रद्धा तत्व की गरिमा को यदि स्वीकार किया जा सके तो यह भी मानना पड़ेगा कि उसे विकसित, परिकृत और परिपक्व करने के लिए आस्तिकता की मान्यता का अवलंबन लेना आवश्यक है।



अंतर्दृष्टि

चाहिए। बेरोजगारों को हुनरमंद कर रोजगार मुहैया कराने के लिए एं कोशल विकास मिशन संचालित है वह एनजीओ की लूटखसोट और सरकारी नियमों में फंस गया है। हर बेरोजगार को कुशल बनाने की जरूरत है लेकिन प्रदेश सरकार के कोशल विकास मिशन में प्रशिक्षण के लिए गरीबी रेखा से नीचे होना, स्वयं सहायता समूह से होना, गांव का होना जैसी तमाम बकवास भरे पड़े हैं। इसी कारण सरकारी योजनाएं सफल नहीं होती हैं। ऐसा लगता है कि जो सरकार में पहुंचता है उसकी बुद्धि कुंद हो जाती है। क्या इन खाये, पिंये मोटाये लोगों को इतना भी नहीं पता है कि सबको रोजगार की जरूरत है इसलिए जो भी प्रशिक्षण लेना चाहे सबको मौका मिलना चाहिए। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में कोशल विकास मिशन योजना संचालित है।

शुभम श्रीवास्तव, लखनऊ.

विचार



फीसदी क्षेत्र पर ही बुआई हुई है, जिससे आशंका है कि इस साल काफी कम बुआई हो सकती है। खरीफ की फसलों में मुख्यतः धान, मक्का, बाजरा, ज्वार, कपास, सोयाबीन, अरहर और मूंगफली आती हैं। अब चूंकि देश की आधी से ज्यादा कृषि भूमि आज भी सिंचाई की सुविधाओं से वंचित है, यह सीधे मानसून की वर्षा पर ही आधारित है और इस साल जिस तरह से मानसून डरा रहा है, उससे तो यही लग रहा है कि खरीफ की फसल पर जबर्दस्त असर होने जा रहा है।

कृषि मंत्रालय के मुताबिक जून 2026 के मध्य तक खरीफ बुआई का क्षेत्र पिछले साल की तुलना में कम तो मामूली ही रहा, लेकिन कुछ फसलें बुआई से जबर्दस्त पिछड़ गई हैं, जिनमें कपास, सोयाबीन और दलहन विशेष रूप से हैं। क्योंकि बारिश कम हुई है तो जमीन में पर्याप्त नमी नहीं है। ऐसे में जहां बुआई हो भी रही है, वहां आशंका ये है कि कहीं बीज ही खराब न हो जाएं। क्योंकि अगर जमीन में नमी कम होती है तो बीज अंकुरित नहीं होते और अगर किसान बुआई इलंदी कर दे और बाद में वर्षा काफी देर तक न हो इसके बाद हो जाए तो भी जरूरी नहीं है कि फसल अच्छी तरह से उग

सूखे का संकट

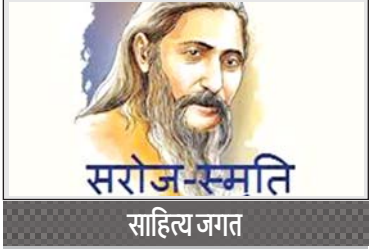
आयेगी। क्योंकि बेहद गर्म मिट्टी में हफ्तों पड़े रहने के बाद कई बीज अंकुरण की अपनी क्षमता खो देते हैं। धान के लिए तो इस साल उत्तर और मध्य भारत में विशेष तौरपर संकट खड़ा होता लग रहा है। क्योंकि ज्वार, बाजरा और मक्के के लायक तो बारिश फिर भी हुई है या आगे हो सकती है। लेकिन जिस तरह का अभी तक सूखा दिख रहा है, वह वैसा ही अगर जारी रहा, तो इस साल धान की फसल को गहरा धक्का लगेगा। हालांकि अभी भी जानकारों को उम्मीद है कि अगर जुलाई में अच्छी बारिश हो जाए तो जून के नुकसान की भरपायी न भी हो तो घाटा कम हो सकता है। लेकिन जुलाई भी कमजोर रहा और अगस्त की शुरुआत भी कमजोर रही, तब तो भगवान ही मालिक है। अगर जुलाई का पहला पखवाड़ा बेहद कमजोर बारिश का रहा तो धान, कपास, सोयाबीन, मूंगफली और अरहर की फसलों पर जबर्दस्त संकट मंडराता दिखेगा। अभी तक के मुताबिक तो खाद्यन उत्पादन में तो 3 से 8 फीसदी तक की ही गिरावट का अनुमान है। लेकिन जिस तरह से लगातार परिस्थितियां खेती की प्रतिकूल हो रही हैं,

स्मृति साहित्य की बढ़ती अहमियत

लोकमित्र गौतम

तेज रफ्तार बदलती दुनिया में यादों की अहमियत अब के पहले इतनी कभी नहीं रही। यही कारण है कि इन दिनों साहित्य में स्मृति लेखन बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। दरअसल ईसान केवल वर्तमान में नहीं जीता, वह अपनी स्मृतियों में भी सांस लेता है। इसलिए जब दुनिया डिजिटल टेक्नोलॉजी के दौर में अभूतपूर्व गति से बदल रही है, रातोंरात तकनीक जीवन के हर क्षेत्र को बदलकर रख दे रही है, वैसे में हमारी पहचान, संस्कृति और संवेदनाओं को बचाये रखने का एक माध्यम स्मृति भी हो गई है। क्योंकि स्मृति केवल अतीत का लेखा-जोखा नहीं होती, वह हमारी पहचान, हमारी संवेदनाओं का एक ऐसा दुनियावी आधार भी होती है, जिसके बिना वर्तमान की मजबूत इमारत तैयार नहीं हो सकती। यही कारण है कि समकालीन साहित्य में स्मृति आधारित लेखन, संस्मरण और स्मृति कथाओं को बहुत चाव से पढ़ा जा रहा है।

पिछले पांच हजार सालों में तकनीक ने कभी भी इतना तेज बदलाव नहीं किया कि एक आदमी अपने जीते जी कई जीवनशैलियों को जीने के लिए बाध्य हो जाए। लेकिन आज ऐसा है। आज पिछली सदी की 60 के दशक में पैदा हुए लोग अब तक अपने जीवन में अनेक अभूतपूर्व बदलाव देख चुके हैं। पगडंडियों और बेलगाड़ियों के जमाने से हम हाईस्पीड ट्रेन और जेट युग तक आ पहुंचे हैं। चिड़ि-पुंगी के रोमांच के दौर से झपकलर, आज हम पलक झपकते व्हाट्सएप और ई-मेल की दुनिया तक पहुंच चुके हैं। ऐसे में आज 50 और 60 साल का कोई भी आदमी कम से कम भारत में रहते हुए तीन जीवनशैलियों को अपनी आंखों से फलते-फूलते देख चुका है। वास्तव में पिछले पांच दशकों में भारत में हर क्षेत्र में बहुत तेज परिवर्तन हुए हैं। सिर्फ तकनीकी ही नहीं आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक रिश्तों में भी बहुत तेजी आयी है। तकनीक के क्षेत्र में तो यह परिवर्तन लगभग अल्टीमेट है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आज के चार दशक पहले तक दूर-दूर कहीं सालों में अतीत गाथा बनकर रह जाती है। इसलिए उसे पलटकर देखने में वह किस्से कहानियों सा रोमांच देती है। यह अकारण नहीं है कि आजकल एक-एक दशक पुराने अतीत को भी साहित्य में भरपूर जगह मिल रही है। बचपन, गांव, परिवार, स्कूल और रिश्ते, इन सबमें केवल कुछ दिनों का भी अनुभव आज कथात्मक हो चला है। यही कारण है कि इन दिनों स्मृति साहित्य के प्रति लोगों का आकर्षण खूब बढ़ रहा है। वैसे साहित्य में और विशेषकर हिंदी साहित्य में स्मृति



साहित्य लेखन की परंपरा कोई अजुबी या नई नहीं है। महादेवी वर्मा, कृष्णा सोबती, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित स्मृति साहित्यकार रहे हैं। लेकिन जिस तरह आज के दौर में हिंदी साहित्य में गांव और बचपन की स्मृतियां कहानियों का एक सशक्त विषय बनकर उभरी हैं, वैसा अबके पहले के कभी नहीं था। शायद इसकी वजह यह भी है कि आज लगभग आधा



भारत शहरों में रह रहा है और उसकी स्मृति पटल पर गांव की जबर्दस्त कसक मौजूद है। यही कारण है कि आज भारत की हर क्षेत्रीय भाषा में सबसे ज्यादा कहानियां गांव और बचपन की स्मृति को संबोधित करके लिखी जा रही हैं। शहरों में रहने वाले लोग जिनमें से ज्यादातर की जड़ें गांव से जुड़ी हैं, उन्हें रह-रहकर अपने बचपन की यादें, खेत, तालाब की बातें, मेलों और उत्सवों के किस्से, भुलाये नहीं भूलते। इन दिनों कहानियों का संसार स्मृति आख्यान से अटा पड़ा है। गांव की बदलती तस्वीर, पलायन, खाली होते घर और समाप होती लोक परंपराएं भी इन दिनों अनेक कहानियों और उपन्यासों का विषय बनी हुई हैं। वैसे भी साहित्यकार अपने भोगे हुए यथार्थ और अतीत को सबसे जीवंत तरीके से सृजित करता है। यही कारण है कि बीमारियों, यात्राओं, संबंधों की भी हमारे साहित्य में विपुल भूमिका है। दरअसल स्मृति साहित्य के जबर्दस्त लोकप्रिय होने का एक कारण यह भी है कि आज पाठक कल्पना से ज्यादा अतीत और भोगे हुए यथार्थ को पढ़ने में रुचि रखता है। इसलिए भी

उससे यह संकट बड़ा भी हो सकता है, जिसका सबसे बड़ा असर किसानों पर ही पड़े गा। क्योंकि एक तरफ तो उनकी फसल कम होगी, दूसरी तरफ बुआई के नुकसान के कारण अच्छा-खासा आर्थिक नुकसान भी होगा। इसलिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इस साल का मानसून भारी दबाव बनाता दिख रहा है। सरकार पर इसका असर इसलिए भी भारी पड़ सकता है, क्योंकि करीब 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा के तहत जो मुफ्त का राशन दिया जा रहा है, उससे देश की जीडीपी किसी हद तक कम हो सकती है। हालांकि सरकार अभी तक ऐसा नहीं मानती। लेकिन सरकार माने या न माने, खुले बाजार से राशन खरीदने वालों को पिछले एक महीने में 15 से 20 फीसदी तक की राशन में बढ़ी कीमतों का एहसास हुआ है। खासकर दालों, खाद्य तेलों, सब्जियों और पशुओं के लिए चारा आहार पर बढ़ी कीमतें किसान का बजट बिगाड़ रही हैं। हालांकि सरकार कई आपातकालीन योजनाएं लागू कर रही हैं। मसलन वह लगातार किसानों को प्रोत्साहित कर रही है कि कम अवधि वाली और कम पानी लेने वाली फसलें बोएं। इसके अलावा सरकार लगातार जल संरक्षण, तालाबों और चेक डैमों की मरम्मत, साथ ही वैकल्पिक बीज उत्पादन जैसी संकट से निपटने की योजनाओं को लागू कर रही है। लेकिन कोई नहीं जानता कि आने वाले 20 से 22 दिन कैसे होंगे?

अगर निर्धारित मात्रा की 80 फीसदी तक भी बारिश हो जाती है तो संकट काफी हद तक काबू में रहेगा। लेकिन यदि 50 फीसदी तक ही बारिश होती है, तो देश के 315 जिलों में आपातकालीन स्थितियों का सहारा लेना पड़ेगा। हालांकि तात्कालिक रूप से खाद्यन की समस्या नहीं होगी, लेकिन बाकी चीजों में जो महंगाई बढ़ेगी, वह आम और मध्यवर्ग को तोड़कर रख देगी। यही कारण है कि किसानों से लेकर सरकार और वैज्ञानिकों तक की इन दिनों नजरें बादलों पर टिकी हैं।

स्मृतियों को लेखन में बहुत बड़ी भूमिका बनकर उभरी है।

सोशल मीडिया में लिखे जाने वाले साहित्य को अगर हम ध्यान से देखें तो यह 90 फीसदी से ज्यादा स्मृतियों को लेखन ही है। जब जीवन बहुत तेजी से बदलता है तो स्मृतियों की कसक भी उतनी ही तेज होती है। आज के 50 साल पहले स्मृति लेखन की रफ्तार इतनी तेज नहीं थी, क्योंकि तब जिंदगी बदलने की रफ्तार भी इतनी तेज नहीं थी। आज जिस तरह से लोग अपनी छोटी-छोटी स्मृतियों को ब्लॉग, फेसबुक पोस्ट और डिजिटल डायरी के रूप में दर्ज कर रहे हैं, उससे भी स्मृति लेखन के लिए जबर्दस्त माहौल बना है। शायद इसकी वजह यह भी है कि स्मृतियां केवल अतीतपर नहीं होती, ये दरअसल इतिहास भी होती है। लेकिन व्यवहारिक सच्चाई यह भी है कि आम लोगों के निजी जीवन की घटनाएं कभी इतिहास नहीं बनती। सिर्फ राजनीतिक और सामाजिक घटनाक्रम ही इतिहास के रूप में दर्ज होता है। इसलिए सामान्य लोगों के जीवन की छोटी-छोटी घटनाएं इतिहास के हाशिये पर भी जगह नहीं पाती तो वे स्मृति साहित्य में बदल जाती हैं।

हम जब भी किसी लेखक की आत्मकथा या संस्मरण आदि पढ़ते हैं तो वह केवल उनका संस्मरण भर नहीं होता न सिर्फ उनकी आत्मकथा बल्कि उस दौर का सम्पूर्ण इतिहास किसी न किसी रूप में वहां मौजूद रहता है। इसलिए स्मृति साहित्य इतिहास का महत्वपूर्ण स्रोत भी होता है। क्योंकि इस डिजिटल युग में स्मृतियों को सहेजन अब पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। इसलिए भी स्मृति साहित्य खूब लिखा जा रहा है। पहले लोगों के पूरे जीवन की मुश्किल से दो चार तस्वीरें होती थीं, आज कोई ऐसा साल नहीं जाता, जब लोग अपने मोबाइल फोनों से सैकड़ों फोटो न खींचते हों। ये तस्वीरें भी वास्तव में एक तरह का शब्दहीन स्मृति लेखन ही है। अगर जानकारों की मानें तो भविष्य में स्मृति लेखन कम नहीं बल्कि और ज्यादा होगा। क्योंकि स्मृतियों को सहेजने और उन्हें तरह-तरह से देखने के आज अनेक करिये मौजूद हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्चुअल रियलिटी, डिजिटल जीवन के विस्तार की वास्तव में स्मृतियां ही हैं, जो वास्तविक न होते हुए भी वास्तविक संवेदना पैदा करती हैं। इसलिए स्मृति साहित्य के लेखन में जो तेजी आयी है, वह जल्द नहीं जाने वाली, अभी लंबे समय तक रुकेगी।

बॉक्स: आखिर स्मृति साहित्य क्यों इतना पढ़ा जाता है? - क्योंकि ये हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। - क्योंकि इसमें सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास मौजूद होता है। - क्योंकि नई पीढ़ी को पुराने समय की जीवनशैली को समझने में मदद मिलती है। - क्योंकि व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को गहराई मिलती है। - क्योंकि तेजी से बदलती दुनिया में हमारी अपनी पहचान और आत्मबोध की भावना मजबूत होती है।

संक्षेप

दर्जनो लोगों ने सपा

छोड़कर थामा बसपा

का दामन

अयोध्या। विधानसभा चुनाव ज्यो ज्यो नजदीक आ रहा है लोगों के दलों के बदलने का सिलसिला शुरू हो गया है क्षेत्र के देमा वैश्य, रुरु खास, चांदपुर, आदि गांव से दर्जनों लोगों ने समाजवादी पार्टी को छोड़कर बसपा का दामन थाम लिया बृहस्पतिवार को देमा शिवबक्श के ग्राम प्रधान मंत्रराम ने क्षेत्र के दर्जनों सपा कार्यकताओं को बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल से मिलकर क्षेत्र के, चाँद हुसैन, मोहम्मद असलम ,मोहम्मद सलीम मुश्ताक अली,मोहम्मद सलीम ,चाँद अली,मोहम्मद मुस्तकीम,सूफियान,मोहम्मद रिहान,सुलेमान,निजामुद्दीन जाविर उरमान अली,मोहम्मद शमशाद,मोहम्मद दिलशाद ,फिरोज,शौकत अली,बरकत अली,जुबेर अली,शाहिद अली ,इमलाख अहमदइफरान अहमद,मोहम्मद कलीम,मोहम्मद इस्तिथाक अब्बास अली,शराफत अली,आजाद अली,शफीक शेख,शाहिल शेख,महफूज अली को बसपा की सदस्यता दिलाई।

तोत्तो-चान की प्रस्तुति के साथ संपन्न हुई शिक्षकों की चार दिवसीय थिएटर कार्यशाला

जिला संवाददाता

अयोध्या। जे.बी. नर्सरी स्कूल सोसाइटी, अयोध्या में विहान ड्रामा वर्क्स, भोपाल द्वारा आयोजित चार दिवसीय शिक्षकों की थिएटर एवं क्रिएटिव पैड़ागॉजी कार्यशाला का समापन जापानी लेखिका तेत्सु कोकुरोयानागी के प्रसिद्ध आत्मकथात्मक उपन्यास तोत्तो-चानहू

●कार्यशाला में लगभग 100 शिक्षकों ने सहभागिता

पर आधारित नाट्य प्रस्तुति के साथ हुआ।

विद्यालय के शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक ने दर्शकों की भरपूर सरहना प्राप्त की और सभी को भावनात्मक रूप से जोड़ने में सफल रहा।नाटक का रूपांतरण, अभिकल्पना एवं निर्देशन विहान ड्रामा वर्क्स के संस्थापक एवं रंग निर्देशक सौरभ

मोहर्रम को लेकर डीएम और एसपी ने किया पलैंग मार्च



बाराबंकी। मोहर्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह व पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने सगर क्षेत्र अन्तर्गत निबटरेद तिराहे से सिटी इण्टर कालेज पीरबटावन सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर पलैंग मार्च किया। तथा सुरक्षा

●सुरक्षा और कानून व्यवस्था, ताजिया जुलूस के प्रस्तावित मार्गों की व्यवस्थाओं का लिया

एवं कानून व्यवस्था सहित ताजिया जुलूस के प्रस्तावित मार्गों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान संवेदनशील स्थलों, बाजार क्षेत्रों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को सतर्कता बनाए रखने तथा सभी

कांग्रेस सांसद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया छत्रपति शाहू जी महाराज जयंती समारोह का शुभारंभ



बाराबंकी। मुंशी रघुनन्दन प्रसाद सरदार पटेल महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे आयोजित छत्रपति शाहू जी महाराज जयंती समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप

●वर्चितो, पिछड़ों, दलितों के उत्थान के लिए किये ऐतिहासिक कार्यों के लिये जाने जाते छत्रपति: तनुज पुनिया

प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि कांग्रेस सांसद श्री पुनिया ने कहा कि शाहू जी महाराज भारत के एक महान समाज सुधारक, दूरदर्शी राजा और कोल्हापुर सियासत के छत्रपति थे।

उन्हें वर्चितो, पिछड़ों और दलितों के उत्थान के लिये किये गये ऐतिहासिक कार्यों के लिये जाना जाता है। उनकी

शान-ओ-शौकत के साथ मनाया गया मोहर्रम का पर्व



जिला संवाददाता

अयोध्या। कर्बला के शहीदों की याद में दसवीं मुहर्रम पर शुक्रवार को जिले में गम और अकीदत के साथ ताजिया जुलूस निकाले गए। शहर के चैक, बेनौगंज, गुलाबबाड़ी सहित विभिन्न मोहम्मद भेराज एवं हाफिज अकीदत पेश किया।

दोपहर बाद या हुसैन की सदाओं के बीच ताजिया जुलूस अपने-अपने निर्धारित मार्गों से होकर गुजरे। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और मातम कर इमाम हुसैन की कुबानी को

याद किया।। देर शाम नम आखों और गमगीन माहौल में ताजियों को निर्धारित कर्बला स्थलों पर सुपुर्द-ए-खाक किया गया। पूरे आयोजन के दौरान पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा

●या हुसैन की सदाओं के बीच निकला ताजिया जुलूस

के व्यापक इंतजाम रहे।मया बाजार में अकीदतमदों ने इमाम हुसैन की शहादत की याद में मजलिस की जिसमें हाफिज मोहम्मद भेराज एवं हाफिज मोहम्मद इमरान ने सरकार इमाम हुसैन की सहादत की शान में नातिया कलाम पेश किये तथा हाफिज मोहम्मद इमरान ने सरकार इमाम हुसैन के बयानात भी पेश किये। जुलूस वा कर्बला में सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम ,

मुसलमानों के लिए बेहद गम भरा होता हैं, मोहर्रम का महीना, पैगम्बर मुहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके 72 साथी कर्बला की जंग में शहीद हुए थे, उन्हीं की याद में मनाया जाता हैं मोहर्रम का पर्व यौमे आशूरा। आज दोपहर बाद से खिच्चर वा छबील का वितरण सरकार इमाम हुसैन की शान में शाम तक चलता रहा। अन्त में मया बाजार के कर्बला में 0६रू30 बजे कनकपुर प्राइमरी स्कूल के पीछे बेलाताली में ताजिये दफन हुये। इस

अवसर पर मास्टर मुबारक अली इदरीशी, मोहम्मद कैफ इदरीशी, अबरार आलम अन्सारी ,समसुद्दीन, मोहम्मद नईम, मोहम्मद मुस्तकीम,मोहम्मद अली, दीन अली,वारिस अली, मोहर्रम अली,

मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सीखने-सिखाने की एक प्रभावी प्रक्रियाहै, जो बच्चों में आत्मविश्वास, कल्पनाशीलता, संप्रेषण कौशल, सहयोग तथा संवेदनशीलता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षकों ने साझा किया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें कक्षा-कक्ष को अधिक जीवंत, आनंदमय और सहभागितापूर्ण बनाने की नई दृष्टि प्राप्त हुई। समापन अवसरपर विद्यालय परिवार ने विहान ड्रामा वर्क्स की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा भविष्य में भी इस प्रकार की रचनात्मक और नवाचारी



स्वाभाविक प्रक्रिया को प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया। नाटक का केन्द्रीय संदेश था कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को एक ही साँचे में ढालना नहीं, बल्कि उनकी विशिष्टता, रचनात्मकता और संभावनाओं को

पहचान कर उन्हें विकसित होने के अवसर प्रदान करना है। प्रस्तुति के दौरान शिक्षकों की ऊर्जा, आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति क्षमता और सामूहिक समर्पण ने दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

अभिभावकों, अतिथियों तथा शिक्षा-जगत से जुड़े लोगों ने इस पहल को शिक्षा और रंग कला के सार्थक समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यशाला ने प्रतिभागी शिक्षकों को यह अनुभव कराया कि थिएटर केवल



अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय द्वारा भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) के अंतर्गत मसाला फसलों की उन्नतशील खेती विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह

●मसाला फसलों की उन्नतशील खेती विषय पर हुई संगोष्ठी

कार्यक्रम कृषि विवि के कुलपति डा ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह के कुशल दिशा-निर्देशन में सोहावल के मगलसी गांव में आयोजित किया गया।

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के मुख् अन्वेषक डा. धनन्जय कुमार उपाध्याय ने कहा कि हल्दी, धनिया, मिर्च, जीरा, सौंफ तथा मेथी जैसी मसाला फसलें किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। डा. कुलदीप पांडेय ने बताया कि मसाला फसलों की खेती कम लागत में अधिक लाभ देने वाली है। साथ ही इन



मोहम्मद शालू, मोहम्मद अरमान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहें। इसी तरह तारुन क्षेत्र में हजरत इमाम हुसैन की कुबानी की याद में हर साल की तरह इस साल भी मुल्क-ए-हिंदुस्तान में मोहर्रम अकीदत से मनाया गया।

इमाम हुसैन ने दुनिया को पैगाम दिया कि हमेशा हक पर रहना चाहिए और हक का साथ देना चाहिए। अमन-चैन के साथ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई हर धर्म के लोग इमाम हुसैन से मोहब्बत करते हैं।

क्षेत्र से इस बार कुल 47 ताजिए उठे और 27 स्थानों से जुलूस निकाले गए। सभी जुलूस थाना प्रभारी लालचंद सरोज के नेतृत्व में कड़ी पुलिस व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से

सम्पन्न हुए। ह्दया हुसैनहू की सदाओं के बीच देर शाम ताजिए सुपुर्द-ए-खाक किए गए।ग्राम सभा नरायनपुर में मातमी जुलूस में पेश इमाम लालगंज हाफिज कारी गुलाम हुसैन के साथ मोहम्मद मोबीन, मोहम्मद शकील, मोहम्मद साबिर, मोहम्मद सगीर, मोहम्मद रईस, मोहम्मद हकीम, मोहम्मद कलीम, पीर गुलाम रमजान, रवि उल्ला समेत तमाम ग्रामवासी जुलूस में मौजूद रहे।

यहां गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल देखने को मिली। थाना प्रभारी ने बताया कि कहीं से कोई अग्रिय घटना नहीं हुई। शांति समिति की गाइडलाइन का पालन हुआ। दोनों समुदाय के लोगों ने मिलकर जुलूस का इस्तकबाल किया।

वॉयस ऑफ लखनऊ 09

इण्डियन स्टूडेंट पॉवर ने अलीगंज अग्निकांड के दिवंगत छात्रों को दी श्रद्धांजलि



बाराबंकी। लखनऊ अलीगंज क्षेत्र स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान में हुई हृदयविदारक अग्निकांड घटना में छात्रों की आत्मा की शांति हेतु इण्डियन स्टूडेंट पॉवर द्वारा नाका सतरिख स्थित डाँ0

भीमराव अंबेडकर पार्क में श्रद्धांजलि सभा की गई। जहां दिवंगत विद्यार्थियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक पंकज गुप्ता पंकी ने कहा कि अलीगंज

आवश्यक है। केवल दुर्घटना के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सुरक्षा मानकों के पालन को निरंतर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। संगठन अध्यक्ष सिद्धार्थ कनौजिया ने कहा कि जिन स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होते हैं, विशेषकर कोचिंग

संस्थान, विद्यालय, अस्पताल एवं अन्य बहुमंजिला भवन, वहां प्रशासन को समय-

समय पर सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं आपातकालीन निकास मार्गों का निरीक्षण करते रहना चाहिए। श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले जिला महासचिव विनीत वर्मा, हिमांशु सेनी, केशव राम, मोनु वर्मा, अविनाश वर्मा, अभिषेक, दिलीप वर्मा, राघवेंद्र सुमन, अनुपम, अमित सूर्यवंशी, नेहा सिंह आनन्द, मालती यादव, जया श्रीवास्तव मौजूद रहे।

तंत्र मंत्र के चक्कर मे युवक की जीम काटकर हत्या, मुकदमा दर्ज

टिकैतनगर, बाराबंकी। पूरेडलई क्षेत्र मे मौलवी तांत्रिक ने तंत्र मंत्र के चक्कर मे युवक की जीभ काटकर हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टिकैतनगर कोतवाली के ग्राम सिहोरिया मे मृतक के भाई दुखाराम ने बताया कि परिवार के अन्य सदस्य ताजिया देखने गए थे। और उसका भाई सुकई एक छोटे बच्चे के साथ घर पर अकेला था। जंहा गांव निवासी मैनुद्दीन ने सुकई को फोन कर घर के बाहर बुलाया। तथा वहां पहले से मौजूद खजुरी गांव के मौलवी गुल्ले हिदायत रसूल ने मांस काटने वाले चापर से सुकई की जीभ काट दी। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक आरोपी फरार हो गये। तथा अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण सुकई की मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के भाई की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। आरोपियों को तलाश जारी है। ग्रामीणों के अनुसार मौलवी अक्सर इस तरह के झाड़ू-फूंक कर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है।

धूमधाम से मनायी गयी छत्रपति साहू महाराज की जयंती

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय लोहिया भवन पर नि. महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव के नेतृत्व में छत्रपति शाहू महाराज की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर महानगर के पदाधिकारी वरिष्ठ नेताओं सभी फ्रंटल के पदाधिकारी नेताओं और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा ने कहा छत्रपति शाहूजी महाराज कोल्हापुर के महान मराठा शासक और एक प्रमुख समाज सुधारक थे उन्हें भारत में आरक्षण का जनक और दलित पिछड़ों के मुक्तिदाता के रूप में भी जाना जाता है महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा छत्रपति शाहूजी महाराज ने शिक्षा सामाजिक समानता और महिलाओं के अधिकार के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए यह राजा होने के बावजूद भी दलित शोषित वर्ग के लोगों का दुख दर्द समझा और उनके साथ हमेशा निकटता बनाए रखी। साहू महाराज ने दलित वर्ग के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया। प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया कि इस मौके पर पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, पूर्व प्रमुख राम अचल यादव उपाध्यक्ष चैधरी श्रीचंद यादव, संजय सिंह प्रवक्ता राकेश यादव, पूर्व मंत्री अमृत राजपाल, जन्मनाथ यादव, वीरेंद्र गौतम, अंसार अहमद, सत्यम यादव आदि लोग मौजूद रहे।

घर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

अयोध्या। जनपद के तारुन थाना क्षेत्र के बेलगरा मजरे गदुरहवा गांव में शुक्रवार शाम एक युवक का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान गौतम चैरसिया (25) पुत्र गंगाराम चैरसिया के रूप में हुई है। पीतजी ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 5रू15 बजे घर के अन्य सदस्य घर के बाहर बिजली विभाग के कर्मचारियों से मीटर चेकिंग को लेकर बात कर रहे थे। कुछ देर बाद जब परिजन कमरे में गए तो गौतम का शव छत के कुड़े से लटका मिला। सूचना पर तारुन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक दो बहनों में इकलौता भाई था। उसकी शादी करीब दो वर्ष पहले हुई थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और दाम्ब में शोक का माहौल है। थाना प्रभारी लालचंद सरोज ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। मौत के सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होंगे।

केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने रामलला व हनुमानगढ़ी में किया दर्शन



शामिल हैं। करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। लोग आहत हैं। मैं स्वयं बहुत आहत हुआ हूं। इसीलिए, आज मैं भगवान राम के दर्शन करने के लिए राम मंदिर गया।

केजरीवाल ने कहा कि राम मंदिर में जिन लोगों ने चोरी की है, जो इस बड़ी डकैती में शामिल है, उन्हें कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि बर्दकिस्मती से जिनको कार्रवाई भी करनी है, जाहिर तौर पर वह अपने खिलाफ तो कार्रवाई करंगे नहीं। वह अपने को पूरी पूरी तरह से अपने को बचाने में लगे हुए

आरोप लगाया कि अयोध्या राम मंदिर के नाम पर पिछले तीन दशकों से एक पार्टी राजनीति कर रही है और अब चंदा चोरी में लग गई है। केजरीवाल ने इस मामले में बड़े-बड़े लोगों की सलिप्तता का आरोप लगाते हुए कहा कि इस चोरी के खेल में सब मिले हुए हैं। उन्होंने चंदा चोरी के आरोपियों को सरेआम फांसी दिए जाने की मांग की। साथ ही, इस मामले से जुड़े लोगों और दलों के सामाजिक बहिष्कार की भी

●कहा-छोटे कर्मचारियों को आरोपी बनाकर बड़े जिम्मेदारों को बचाया जा रहा, कई महीनों की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं

महीनों की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं है। करोड़ों रुपये के चढ़ावे और बहुमूल्य आभूषणों को लेकर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करके वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले की सच्चाई देश के सामने आनी चाहिए। उन्होंने

अपील कर डाली। अरविंद केजरीवाल ने चंदा चोरी मामले में हमलावर रख अपनाते हुए कहा कि भगवान राम के घर में डकैती हो गई है। भगवान राम के आभूषण, उनका हार, उनकी पादुका, उन पर चढ़ाए गए चांदी-सोना, हरि-जवाहरात, करोड़ों-अरबों रुपये कैश चोरी कर लिए गए। इस चोरी में बहुत बड़े-बड़े राक्षस

छिड़कने वाली बात है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लोगों का कहना है, उन्हें तब तक शांति नहीं मिलेगी, जब तक इन चोरी करने वाले लोगों को बड़े-बड़े लोगों को सरेआम फांसी की सजा नहीं दी जाएगी। उन्होंने सिंधी एसोसिएशन के 26 जनवरी 2021 को 200 किलो कांडा दान में दिए जाने का मामला उठाया। साथ ही, अन्य दान के मामलों में रसीद न दिए जाने के मुद्दों पर सीधा वार किया। अरविंद केजरीवाल ने चंपत राय पर भी निशाना साधा। उन्होंने सौशल मीडिया पर चर्चा के आधार पर कहा कि पीएमओ से जब चंपत राय से उनके रिकॉर्ड मांगे गए तो उन्होंने उसे देने से मना कर दिया। तंज करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को भी वे मना कर सकते हैं। उन्होंने चोरी के तार काफी आगे तक होने की बात कही। साथ ही, चंदा चोरों के सामाजिक बहिष्कार की अपील की।

संक्षेप

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 96.3 करोड़ डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 जून को समाप्त सप्ताह में 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.58 अरब डॉलर पर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.98 अरब डॉलर घटकर 671.62 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 3.07 अरब डॉलर घटकर 541.217 अरब डॉलर रह गई। डॉलर के संदर्भ में विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.11 अरब डॉलर बढ़कर 107.93 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.647 अरब डॉलर रहा।

बांद्रा छोर को सावरकर सी ब्रिज से जोड़ने की 1722 करोड़ की परियोजना को मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की अवसरंचना संबंधी उपसमिति ने वसोंवा-बांद्रा सी लिंक (वीबीएसएल) के बांद्रा किले वाले छोर को सावरकर सी ब्रिज से जोड़ने वाली 3.55 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए ,722.40 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस परियोजना को महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) लागू करेगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता वाली उपसमिति ने बृहस्पतिवार को इस परियोजना को मंजूरी दी। इससे पहले मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली सचिवाों की समिति ने 17 जून को इसे मंजूरी दी थी। परियोजना की अनुमानित लागत में निर्माण कार्य के लिए ,183.79 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अलवा माल एवं सेवा कर (जीएसटी), भूमि अधिग्रहण तथा अन्य खर्च को मिलाकर कुल लागत 1,722.40 करोड़ रुपये होगी। इस परियोजना के लिए लगभग 40 झुग्गियों का पुनर्वास करना होगा, जिसके लिए 50 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में निर्धारित किए गए हैं।

डीटीयू और एसरी डीडिया ने जियोएसआई शिक्षा एवं अनुसंधान को गति देने के लिए सह मिलार

नई दिल्ली। भारत में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर, लोकेशन इंटेलिजेंस और मैपिंग सॉल्यूशंस में बाजार की अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने जियोएआई पर खास जोर के साथ जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजीज में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए दिल्ली टेक्नोलॉजी युनिवर्सिटी (डीटीयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की आज घोषणा की। यह साझेदारी जियोस्पैटियल कौशल और अकादमिक कार्यक्रमों के लिए उद्योग की अपेक्षाओं को पूरा करने के एक महत्वपूर्ण कदम है जिसके तहत आगली पीढ़ी के इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और डेटा वैज्ञानिकों को विश्व की अग्रणी एसरी टेक्नोलॉजी के जरिए अत्याधुनिक जीआईएस एवं जियोएआई क्षमताओं से युक्त किया जाएगा। इस एमओयू के तहत एसरी इंडिया वैश्विक स्तर पर प्रख्यात आर्कजीआईएस सॉफ्टवेयर के साथ इस उत्कृष्टता केंद्र को स्थापित करने में डीटीयू के जियोस्पैटियल साइंस एवं टेक्नोलॉजी विभाग को सहयोग करेगी। इस केंद्र के पास आर्कजीआईएसलिबिंग एंजियरिंग केजरिए सीखनेके संसाधनों और जियोस्पैटियल कंटेंट तक पहुंच होगी।

सिमरन ने हाल मित्रा के जरिए ब्रेक अप को दी एक बेबाक नयी आवाज

नईदिल्ली।पंजाब की सबसे बेबाक आवाज सिमरन कौर धडली अपने नए गाने ‘हाल मित्रा’ के साथ वापसी कर रही हैं।यह एक दमदार ब्रेकअप एंथम है, जो दिल टूटने के दर्द को ताकत और आत्म-सम्मान में बदल देता है। अपनी खास गीतकारी और प्रभावशाली गायकी के जरिए, सिमरन नेदिल टूटने सेलेकर खुद को संभालने तक के सफर को बखूबी दर्शाया है और हर उस महिला का जश्न मनाया है जो खुद को प्राथमिकता देती है। इस गाने के बारे में बात करते हुए सिमरन कौर धडली ने कहा कि ‘हाल मित्रा’ हर उस महिला के लिए है जो बिना किसी झिझक के खुद को चुनती है।कभी-कभी जो लोग आपको ठेस पहुंचाते हैं, वही आपको ज़िंदागी के सबसे बड़ी सीख दे जाते हैं। यह गाना अपनी अहमियत पहचानने, पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और यह समझने के बारे में है कि आपकी ज़िंदगी का सबसे बेहतरीन अध्याय आपके सबसे बड़े झटके के बाद शुरू हो सकता है।

भारत ने चीन, जापान, रूस से हॉट रोलड स्टील आयात की डंपिंग रोधी जांच शुरू की

नयी दिल्ली। भारत ने चीन, जापान और रूस से कुछ हॉट रोलड स्टील उत्पादों के सस्ते आयात के खिलाफ डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। वाणिज्य मंत्रालय की एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

यह जांच जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू विजयनगर मेटलवर्क्स लिमिटेड और ज़िंदल स्टील ओडिशा लिमिटेड की ओर से दायर आवेदन के बाद शुरू की गई है। आवेदकों का आरोप है कि चीन, जापान और रूस से निर्यात किए जा रहे मिश्रधातु या गैर-मिश्रधातु इस्पात के हॉट रोलड फ्लैट उत्पाद डंपिंग कीमतों पर भारत में आयात किए जा रहे हैं, जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर नुकसान हो रहा है। इन उत्पादों का उपयोग मोटर वाहनों, तेल एवं गैस

आईसीएआई एआई के लिए मानक तैयार करने पर विचार करे

नयी दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) का जिम्मेदारी के साथ उपयोग को सुनिश्चित करने और एंग्लोरिदम में संभावित पूर्वाग्रहों को रोकने के लिए भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) को एआई के लिए आश्वासन मानक विकसित करने पर विचार करना चाहिए।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित आईसीएआई के एआई इनोवेशन समिट को संबोधित करते हुए शेखावत ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य पेशेवरों को निरंतर कौशल उन्नयन तथा प्रौद्योगिकी में हो रहे बदलावों के साथ तालमेल बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई)

भारत में 90 अरब डॉलर से अधिक निवेश की घोषणा

नयी दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक व्यवधानों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद वैश्विक कंपनियों तथा संस्थागत निवेशकों ने हाल के महीनों में भारत में 90 अरब डॉलर से अधिक के नए निवेश की घोषणा की है। यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं और निवेश गंतव्य के रूप में उसकी बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाता है। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित निवेश कृत्रिम मेधा (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल अवसरंचना, विनिर्माण और औद्योगिक प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। इससे वैश्विक कंपनियों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने तथा उच्च वृद्धि वाले बाजारों में विस्तार के बीच अहम निवेश गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलकात के

विकसित भारत

समुदाय के अमूल्य योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा जैसे-जैसे भारत एआई युग के अवसरों को अपना रहा है, यूझे विश्वास है कि सीएसमुदाय वित्तीय क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता का नेतृत्व करते हुए ईमानदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखेगा तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देता रहेगा। संसद के एक अधिनियम के तहत स्थापित भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) के पांच लाख से अधिक सदस्य हैं।

उत्सव में

लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व सहायता राशि के चेक भी वितरित किए। सीएम ने देवरिया की धरती को नमन करते हुए कहा कि उन्हें रूढ़पुत्र व बरहज विधानसभा के मध्य स्थित उस पवित्र भूमि पर आने का सीभाग्य प्राप्त हुआ है, जिसे बाबा दुखहरणनाथ, बाबा महेंद्रनाथ, महर्षि देवहवा बाबा और बाबा राघवदास जैसी महान विभूतियों का आशीर्वाद प्राप्त है। यह भूमि आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है। सीएम योगी ने कहा कि एक समय ऐसा था जब देवरिया के लोग एक पुल और एक सड़क के लिए वर्षों तक इंतजार करते थे, लेकिन आज प्रदेश में विकास की गति पूरी तरह बढ़ चुकी है। पडरौना, कसबा, पथरदेवा, देवरिया, सोरघाट, बरहज, दोहरीघाट को वाराणसी व गोरखपुर मार्ग से जोड़ने वाली सड़कें पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी को मजबूत कर रही हैं। वहीं हाटा, गौरीबाजार को कौडीराम तक फोरलेन सड़कें उत्तर-दक्षिण कनेक्टिविटी को नई दिशा देगी। बेहरन सड़कें व इफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत कनेक्टिविटी किसी भी क्षेत्र के विकास की सबसे बड़ी आधारशिला



पाइपलाइनाअन्वेषण, कोलड रोलड स्टीलउत्पाद, पाइपविनिर्माण, सामान्य इंजीनियरिंग एवं फैब्रिकेशन, निर्माण, पूंजीगत सामान व सीमेंट, उर्वरक और रिफाइनरी उद्योगों के प्रसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों तथा केन जैसी भारी मशीनों में किया जाता है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) जांच के तहत 2022 से 2025 तक के आयात आंकड़ों पर

गौर करेगा। डीजीटीआर ने कहा कि उसके प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चल रहा है कि इन उत्पादों का निर्यात उनकी सामान्य कीमत से काफी कम मूल्य पर किया जा रहा है। सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के बीच का अंतर (जिसे डंपिंग मार्जिन कहा जाता है) न्यूनतम सीमा से अधिक और इन देशों के निर्यात के मामलेमें काफी अधिक पाया गया है। उसने कहा कि प्रथम दृष्टया संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।केंद्रीय मंत्रीशेखावत ने कहा कि संस्थान एआई के लिए मानक विकसित करने पर विचार कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने एंग्लोरिदम से जुड़े पूर्वाग्रहों के कारण पैदा होने वाली चुनौतियों में छूट दी है, जिससे अस्थायी रूप से ईरानी कच्चे तेल के निर्यात की अनुमति मिली है।हालाँकि, इतनी कम अवधि के कारण चीन के अलवा अन्य खरीदारों के बढ़ेपैमाने पर वापसी की संभावना नहीं है। भारतीय रिफाइनर आने वाले महीनों के लिए कच्चे तेल की अपनी अधिकांश जरूरतें पहलेही तय कर चुके हैं, क्योंकि खरीद



बाद वह वर्ष 2030 तक भारत में अपने कुलनिवेश की प्रतिबद्धता बढ़ाकर 48 अरब डॉलर करेगा।यह निवेश क्लाउड अवसरंचना, एआई और डिजिटल सेवाओं के विस्तार में किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की डेटा सेंटर कंपनी एयरक्रे ने वर्ष 2030 तक भारत में पांच गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने के लिए 30 अरब डॉलर निवेश करने की योजना की घोषणा की। यह देश में

अब तक के सबसे बड़े डिजिटल अवसरंचना निवेशों में से एक है।फ्रांस की निर्माण सामग्री से जुड़ी कंपनी सेंट-गोबेन ने 18 जून को कहा था कि वह अगले पांच वर्षों में भारत में अतिरिक्त एक अरब यूरो (1.15 अरब डॉलर) का निवेश करेगी। कंपनी ने भारत को अपने सबसे तेजी से बढ़ते वैश्विक बाजारों में से एक बताया। सीटीआरएलएस डाटासेंटर्स के साथ मिलकर हाइपरस्कैल डेटा हॉली में की सबसे बड़े डिजिटल अवसरंचना निवेशों में से एक है।फ्रांस की निर्माण सामग्री से जुड़ी कंपनी सेंट-गोबेन ने 18 जून को कहा था कि वह अगले पांच वर्षों में भारत में अतिरिक्त एक अरब यूरो (1.15 अरब डॉलर) का निवेश करेगी। कंपनी ने भारत को अपने सबसे तेजी से बढ़ते वैश्विक बाजारों में से एक बताया। सीटीआरएलएस डाटासेंटर्स के साथ मिलकर हाइपरस्कैल डेटा

होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति है और सरकार इसी शक्ति को कौशल, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का काम कर रही है। अब तक 9 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है, जबकि परंपरागत उद्योगों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 3 करोड़ लोगों को रोजगार और आजीविका के साधन उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश का युवा प्रतिभाशाली है। वह बड़ी से बड़ी चुनौती को अवसर में बदल सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतरीन मानव व्यवस्था और सुरक्षा के कारण देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर सहित पूरे पूर्वांचल में निवेश बढ़ रहा है। नए उद्योग लग रहे हैं और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

एसआईटी की

सनातन धर्म की प्रतीक है। अयोध्या पर आक्षेप न करो, प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करना सीखो। अयोध्या के बारे में जो समाचार मिल रहे थे, उस पर मैंने कहा था कि एसआईटी की रिपोर्ट आने के साथ ही हमारी कार्रवाई भी प्रारंभ हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों व रामभक्तों से कहा कि जो लोग आज आक्षेप लगाने का प्रयास कर रहे हैं, उनकी मंशा अच्छी नहीं है। ये वो लोग हैं जो भगवान राम को नकार चुके थे, भगवान राम के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर चुके थे। कांग्रेस व सपा को आड़े हाथ लेते हुए सीएम ने कहा कि एक पार्टी कहती थी कि राम हुए ही नहीं, यानी वे लोग अंधविश्वास को भी नहीं मानना चाहते थे। वे लगातार न्यायालय में मुकदमा लड़ते रहे, वकीलों की फौज खड़ी करते रहे। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और मंदिर निर्माण के खिलाफ खड़े रहे। वहीं दूसरा पक्ष उन

अर्थ/विविध

सीआरजीओ पर डंपिंग रोधी शुल्क से बढ़ सकती है ट्रांसफॉर्मर लागत

नयी दिल्ली। कोलड-रोलड ग्रेन-ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील (सीआरजीओ) पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का कोई भी कदम ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण लागत बढ़ा सकता है और देश के बिजली ग्रिडविस्तार की रफ्तार को धीमा कर सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही।

भारत अपनी घरेलू जरूरत का करीब 90 प्रतिशत सीआरजीओ आयात करता है। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जेएसडब्ल्यू जेएफई इलेक्ट्रिकल स्टील नासिक प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत के बाद चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और रूस से सीआरजीओ तथा अस्पटिक धातुओं (अर्माफंस) के आयात की डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। 22 जून 2026 को शुरू हुई जांच के दायरे में

ईरानी तेल की खरीद बढ़ाये जाने की संभावना नहीं

नयी दिल्ली। अमेरिकी प्रतिबंधों में अस्थायी ढील के बावजूद भारतीय तेल कंपनियों के ईरान से कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। राहत अवधि को लेकर अनिश्चितता, भुगतान संबंधी बाधाएं और पहले से तय आपूर्ति अनुबंध इसकी मुख्य वजह है जिससे नई खरीद की गुंजाइश सीमित हो गई है। अमेरिका ने 60 दिन के लिए प्रतिबंधों में छूट दी है, जिससे अस्थायी रूप से ईरानी कच्चे तेल के निर्यात की अनुमति मिली है। हालांकि, इतनी कम अवधि के कारण चीन के अलवा अन्य खरीदारों के बढ़ेपैमाने पर वापसी की संभावना नहीं है। भारतीय रिफाइनर आने वाले महीनों के लिए कच्चे तेल की अपनी अधिकांश जरूरतें पहलेही तय कर चुके हैं, क्योंकि खरीद

भारत-ब्रिटेन एफटीए का मुख्य लक्ष्य परिवर्तनकारी वृद्धिः गोयल

सैंटर क्षमता बढ़ाने के लिए 7,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की प्रतिबद्धता जात है। वहीं औद्योगिक प्रौद्योगिकी कंपनी एबीबी ने मार्च में भारत में अपने विनिर्माण और अनुसंधान नेटवर्क के विस्तार के लिए 7.5 करोड़ डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। गूगल ने भारत में एआई अवसरंचना के विस्तार के लिए पांच वर्षों में 15 अरब डॉलर की योजना की घोषणा फरवरी में की थी। इसमें डेटा सेंटर, समुद्र के भीतर बिछाई जाने वाली संचार केबल, क्लाउड क्षमता और कार्यलक्ष कौशल विकास जैसी पहल शामिल हैं। ये घोषणाएं ऐसे समय में हुई हैं जब बहुराष्ट्रीय कंपनियां पश्चिम एशिया के संघर्ष, समन्वय व्यापार नीतियों और कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में धीमी वृद्धि जैसी भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

पेज एक का शेष

जिसके आधार पर यह कदम उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार चोरी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक षड्यंत्र समेत विभिन्न आरोपों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित दान और चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट ने विशेष जांच का अनुरोध किया था जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रकरण की जांच के लिए 13 जून को एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी में लखनऊ मंडलयुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं।

चंपतराय व

के प्रमुख सदस्य अनिल मिश्रा ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बताया जाता है कि विश्वास हिंदू परिषद ने चंपतराय और अनिल मिश्रा को ट्रस्ट से इस्तीफा देने की सलाह दी है। माना जा रहा है कि दोनों ने अपना इस्तीफा ट्रस्ट को सौंप दिया है, जिस पर आगे होने वाली ट्रस्ट की बैठक में विचार होगा। राम मंदिर ट्रस्ट ही इस पर फैसला लेगा, क्योंकि ट्रस्ट एक ऑटोनोमस बॉडी है।। बता दें कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को ही एसआईटी ने आपनो शुरूआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। इसके बाद गुरुवार को मामले में केस दर्ज किया गया।

एनडीपीएस

ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय एनडीपीएस अधिनियम को और सशक्त बनाने के लिए उस पर पुनर्विचार कर रहा है तथा राज्य से इस संबंध में अपने सुझाव साझा करने को

सीआरजीओ पर डंपिंग रोधी शुल्क से बढ़ सकती है ट्रांसफॉर्मर लागत

नयी दिल्ली। कोलड-रोलड ग्रेन-ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील (सीआरजीओ) पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का कोई भी कदम ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण लागत बढ़ा सकता है और देश के बिजली ग्रिडविस्तार की रफ्तार को धीमा कर सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही।

भारत अपनी घरेलू जरूरत का करीब 90 प्रतिशत सीआरजीओ आयात करता है। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जेएसडब्ल्यू जेएफई इलेक्ट्रिकल स्टील नासिक प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत के बाद चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और रूस से सीआरजीओ तथा अस्पटिक धातुओं (अर्माफंस) के आयात की डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। 22 जून 2026 को शुरू हुई जांच के दायरे में

ईरानी तेल की खरीद बढ़ाये जाने की संभावना नहीं

नयी दिल्ली। अमेरिकी प्रतिबंधों में अस्थायी ढील के बावजूद भारतीय तेल कंपनियों के ईरान से कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। राहत अवधि को लेकर अनिश्चितता, भुगतान संबंधी बाधाएं और पहले से तय आपूर्ति अनुबंध इसकी मुख्य वजह है जिससे नई खरीद की गुंजाइश सीमित हो गई है। अमेरिका ने 60 दिन के लिए प्रतिबंधों में छूट दी है, जिससे अस्थायी रूप से ईरानी कच्चे तेल के निर्यात की अनुमति मिली है। हालांकि, इतनी कम अवधि के कारण चीन के अलवा अन्य खरीदारों के बढ़ेपैमाने पर वापसी की संभावना नहीं है। भारतीय रिफाइनरों के अनुकूल होने और व्यावसायिक रूप से बेहतर शर्तों के कारण भारत, ईरान के

योजनाओं को आमतौर पर दो से तीन महीने पहले अंतिम रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत ऐतिहासिक रूप से ईरानी कच्चे तेल का प्रमुख खरीदार रहा है। भारतीय रिफाइनरियों के अनुकूल होने और व्यावसायिक रूप से बेहतर शर्तों के कारण भारत, ईरान के

भारत-ब्रिटेन एफटीए का मुख्य लक्ष्य परिवर्तनकारी वृद्धिः गोयल

लंदन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का प्रमुख लक्ष्य दोनों देशों के बीच परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि होना चाहिए।

गोयल भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के 15 जुलाई से लागू होने से पहले दोनों देशों की तैयारियों की समीक्षा के लिए तीन दिवसीय ब्रिटेन दौरे पर हैं। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग की ओर से आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ (फिक्की) के नेतृत्व वाले कारोबारी प्रतिनिधिर्मंडल से सीईटीए के तहत उन्नत विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं,



एक अप्रैल, 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच हुआ आयात है। वहीं घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन 2022-23 से 2024-25 की अवधि के आधार पर किया जाएगा। हर बिजली और वितरण ट्रांसफॉर्मर के चुंबकीय कोर में सीआरजीओ स्टील का इस्तेमाल होता है। यह विशेष प्रकार का इलेक्ट्रिकल स्टील ऊर्जा हानि को कम करता है और बिजली के कुशल पोषण एवं वितरण के लिए अनिवार्य है। जीटीआरआई के अनुसार, वर्ष 2032 तक बिजली ग्रिड विस्तार पर

9.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना के साथ सीआरजीओ की मांग में तेज वृद्धि होने की उम्मीद है। इस योजना के तहत 1.91 लाख सर्किट किलोमीटर नई पोषण लाइन बिछाई जाएंगी और ट्रांसफॉर्मर क्षमता बढ़ाकर 2,342 जीवीए (गीगावॉल्ट-एएमपीयर) से अधिक की जाएगी। इसके बावजूद भारत अब भी आयात पर अत्यधिक निर्भर है। देश में सीआरजीओ की वार्षिक खपत चार लाख से साढ़े चार लाख टन के बीच आंकी जाती है। जबकि घरेलू उत्पादन केवल 40,000-50,000 टन है। भारत की लगभग 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी होती है। जांच शुरू होने के इस कदम ने चिंता बढ़ा दी है कि जिस उत्पाद के लिए भारत अपनी करीब 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है, उस पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने से ट्रांसफॉर्मर की लागत बढ़ सकती है।

इरा नियन लाइट और इरानियन हेवी ग्रेड का बड़ी मात्रा में आयात करता था। हालांकि 2018 में अमेरिकी प्रतिबंध कड़े होने के बाद मई 2019 से यह आयात बंद हो गया और इसकी जगह पश्चिम एशिया, अमेरिका तथा अन्य देशों के कच्चे तेल ने ले ली। एक समय

भारत के कुल कच्चे तेल आयात में इरानी तेल की हिस्सेदारी 11.5 प्रतिशत थी। सरकारी और निजी रिफाइनरी कंपनियां फिलहाल अगस्त के आखिर तथा सितंबर में मिलने वाली खेपों की खरीद कर रहे हैं, जिनमें रूस और पश्चिम एशिया के कच्चे तेल का दबदबा बना हुआ है। वहीं, वेनेजुएला के कच्चे तेल को हिस्सेदारी भी बढ़ रही है। यदि इरानी कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध कराया जाता है, तो रिफाइनर

अवसर का लाभ उठाते हुए कुछ खरीद कर सकते हैं। हालांकि, रूस और पश्चिम एशिया से पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध होने के कारण खरीद रणनीति बदलने की जरूरत नहीं है। यदि छूट बेहद आकर्षक हुई तो खरीद संभव है, लेकिन इसकी कुल गुंजाइश सीमित दिखाई देती है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए का मुख्य लक्ष्य परिवर्तनकारी वृद्धिः गोयल

लंदन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का प्रमुख लक्ष्य दोनों देशों के बीच परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि होना चाहिए।

गोयल भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के 15 जुलाई से लागू होने से पहले दोनों देशों की तैयारियों की समीक्षा के लिए तीन दिवसीय ब्रिटेन दौरे पर हैं। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग की ओर से आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ (फिक्की) के नेतृत्व वाले कारोबारी प्रतिनिधिर्मंडल से सीईटीए के तहत उन्नत विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं,

नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसर पर चर्चा की। मेरे विचार से भारतीय और ब्रिटेन की कंपनियों के लिए सहयोग, साझेदारी और संयुक्त प्रयास तेजी से आगे बढ़ने का सबसे प्रभावी तरीका होगा। इससे कारोबार का विस्तार तेज हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार सामान्य तौर पर चार से छह प्रतिशत की दर से बढ़ता है, लेकिन भारत को इससे कहीं

नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसर पर चर्चा की। मेरे विचार से भारतीय और ब्रिटेन की कंपनियों के लिए सहयोग, साझेदारी और संयुक्त प्रयास तेजी से आगे बढ़ने का सबसे प्रभावी तरीका होगा। इससे कारोबार का विस्तार तेज हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार सामान्य तौर पर चार से छह प्रतिशत की दर से बढ़ता है, लेकिन भारत को इससे कहीं

भारत-ब्रिटेन एफटीए का मुख्य लक्ष्य परिवर्तनकारी वृद्धिः गोयल

लंदन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का प्रमुख लक्ष्य दोनों देशों के बीच परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि होना चाहिए।

गोयल ने कहा कि यदि भारत केवल इतनी ही वृद्धि को लक्ष्य बनाएगा तो यह दुनिया के भारत पर बढ़ते भरोसे के साथ न्याय नहीं होगा। मंत्री ने बताया कि सीईटीए के साथ ही अगले महीने लागू होने वाला दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) दोनों देशों में पांच वर्ष तक के अस्थायी कार्यकाल पर काम करने वाले कर्मचारियों पर लागू होगा। सीईटीए केवल शुल्क और मूल नियमों तेजी से आगे बढ़ने का सबसे प्रभावी तरीका होगा। इससे कारोबार का विस्तार तेज हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार सामान्य तौर पर चार से छह प्रतिशत की दर से बढ़ता है, लेकिन भारत को इससे कहीं

अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे। गोयल ने कहा कि यदि भारत केवल इतनी ही वृद्धि को लक्ष्य बनाएगा तो यह दुनिया के भारत पर बढ़ते भरोसे के साथ न्याय नहीं होगा। मंत्री ने बताया कि सीईटीए के साथ ही अगले महीने लागू होने वाला दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) दोनों देशों में पांच वर्ष तक के अस्थायी कार्यकाल पर काम करने वाले कर्मचारियों पर लागू होगा। सीईटीए केवल शुल्क और मूल नियमों तेजी से आगे बढ़ने का सबसे प्रभावी तरीका होगा। इससे कारोबार का विस्तार तेज हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार सामान्य तौर पर चार से छह प्रतिशत की दर से बढ़ता है, लेकिन भारत को इससे कहीं

भारत के कुल कच्चे तेल आयात में इरानी तेल की हिस्सेदारी 11.5 प्रतिशत थी। सरकारी और निजी रिफाइनरी कंपनियां फिलहाल अगस्त के आखिर तथा सितंबर में मिलने वाली खेपों की खरीद कर रहे हैं, जिनमें रूस और पश्चिम एशिया के कच्चे तेल का दबदबा बना हुआ है। वहीं, वेनेजुएला के कच्चे तेल को हिस्सेदारी भी बढ़ रही है। यदि इरानी कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध कराया जाता है, तो रिफाइनर

भारत-ब्रिटेन एफटीए का मुख्य लक्ष्य परिवर्तनकारी वृद्धिः गोयल

लंदन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का प्रमुख लक्ष्य दोनों देशों के बीच परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि होना चाहिए।

गोयल ने कहा कि यदि भारत केवल इतनी ही वृद्धि को लक्ष्य बनाएगा तो यह दुनिया के भारत पर बढ़ते भरोसे के साथ न्याय नहीं होगा। मंत्री ने बताया कि सीईटीए के साथ ही अगले महीने लागू होने वाला दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) दोनों देशों में पांच वर्ष तक के अस्थायी कार्यकाल पर काम करने वाले कर्मचारियों पर लागू होगा। सीईटीए केवल शुल्क और मूल नियमों तेजी से आगे बढ़ने का सबसे प्रभावी तरीका होगा। इससे कारोबार का विस्तार तेज हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार सामान्य तौर पर चार से छह प्रतिशत की दर से बढ़ता है, लेकिन भारत को इससे कहीं

भारत के कुल कच्चे तेल आयात में इरानी तेल की हिस्सेदारी 11.5 प्रतिशत थी। सरकारी और निजी रिफाइनरी कंपनियां फिलहाल अगस्त के आखिर तथा सितंबर में मिलने वाली खेपों की खरीद कर रहे हैं, जिनमें रूस और पश्चिम एशिया के कच्चे तेल का दबदबा बना हुआ है। वहीं, वेनेजुएला के कच्चे तेल को हिस्सेदारी भी बढ़ रही है। यदि इरानी कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध कराया जाता है, तो रिफाइनर

यूक्रेन ने किया रूस पर भीषण ड्रोन हमला

यूक्रेन का इससे पहले का सबसे बड़ा हमला 17 मई को हुआ था, जब उसने 556 ड्रोन दागे थे

कीव। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि उसने वायु रक्षा प्रणाली के जरिये 12 रूसी क्षेत्रों के ऊपर, साथ ही अवैध रूप से कब्जाए गए क्रीमिया और आसपास के क्षेत्र में रातभर में यूक्रेन के 660 ड्रोन को बीच में रोक कर उन्हें नष्ट कर दिया।

रूस की ओर से 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर किए गए आक्रमण के बाद से इसे सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। यूक्रेन का इससे पहले का सबसे बड़ा हमला 17 मई को हुआ था, जब उसने 556 ड्रोन दागे थे। यह बड़ा हमला यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की द्वारा एक्स पर दिए गए बयान के कुछ घंटों बाद हुआ। जेलेन्स्की ने कहा था कि उन्होंने 40 दिनों का एक अभियान शुरू करने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि

संक्षेप

गोदाम दहने से मरने वालों की संख्या 15 हुई

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के तारातला क्षेत्र में गोदाम दहने की घटना में मृतकों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 15 हो गई। विभिन्न एजेंसियों और सेना के कर्मियों द्वारा चलाए जा रहे बचाव अभियान के दौरान मलबे से दो और शव निकाले गए, जबकि उपचाराधीन दो अन्य घायलों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गोदाम की छत गिरने की घटना के दो दिन बाद भी शुक्रवार सुबह मलबे में गहन तलाशी अभियान जारी रहा। अधिकारी ने कहा कि बृहस्पतिवार देर रात दो शव बरामद किए गए, हालांकि उनकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह दो श्रमिकों मन्नु कुमार और साहिल सरदार ने सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई। अधिकारी ने कहा, बिहार के मुंगेर जिला निवासी 19 वर्षीय मन्नु कुमार को 24 जून को मलबे से निकाला गया था और बृहस्पतिवार रात उसकी सर्जरी की गई थी। चिकित्सकों के लगातार प्रयासों के बावजूद शुक्रवार तड़के उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में उसके भाई यी कुमार की पहले ही मौत हो चुकी है, जबकि उनके पिता गोदाम दहने की घटना में लगी चोटों का उपचार करा रहे हैं।



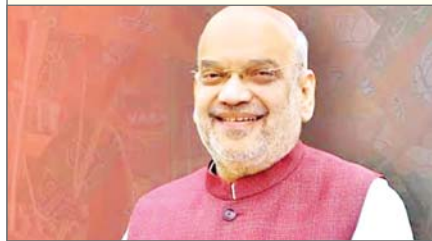
इसका आशय हमलों में तीव्रता लाने से है, जिसका उद्देश्य रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए मजबूर करना है। पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन ने रूस के सैन्य ठिकानों और ऊर्जा केंद्रों पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। इन हमलों से रूस में ईंधन की कमी और सैन्य आपूर्ति लड़ने

में बाधा उत्पन्न हुई है, जिससे चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध में माँस्को के सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है। माँस्को के दक्षिण में स्थित तुल क्षेत्र में एक निजी घर इस हमले में क्षतिग्रस्त हो गया और एक महिला घायल हो गई। क्षेत्रीय गवर्नर दिमित्री मिल्यायेव ने यह

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिजली की लाइन भी क्षतिग्रस्त हुई है और नोवोमोस्कोव्स्क शहर में एक अज्ञात औद्योगिक इकाई को नुकसान पहुंचा है। रूस के स्वतंत्र ऑनलाइन माध्यम एस्ट्रा ने अपनी खबर में कहा कि नोवोमोस्कोव्स्क में एक रासायनिक

संयंत्र और एक जलविद्युत संयंत्र पर भी हमला हुआ और उनमें आग लग गई। अधिकारियों की ओर से भी इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है। माँस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने भी बताया कि राजधानी की ओर आने वाले 47 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया। हालांकि उन्होंने किसी प्रकार की जनहानिया क्षति की जानकारी नहीं दी। वहीं, यूक्रेन के अनुसार, पिछले 24 घंटों में रूस द्वारा पूर्वोत्तर के खारकीव क्षेत्र पर किए गए हमलों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रशासन प्रमुख ओलेह सिनिहूबोव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रूसी सेना ने निर्देशित मिसाइल और कई तरह के ड्रोन का इस्तेमाल करके खारकीव शहर और इलके की 16 अन्य बस्तियों पर हमला किया।

वंदे मातरम केवल गीत नहीं, भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र : अमित शाह



नयी दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि वंदे मातरम केवल एक देशभक्ति गीत नहीं, बल्कि भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र है। शाह ने मादक पदार्थों के खिलाफ देश की रणनीति पर आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाह ने राष्ट्रीय नाकों-समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्षस्तरीय बैठक में कहा कि 26 जून देश के मादक पदार्थ विरोधी अभियान के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि इस दिन बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती भी है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान राष्ट्र के आत्मविश्वास को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। शाह ने कहा कि बंकिम बाबू ने वंदे मातरम की रचना की थी। वंदे मातरम राष्ट्र

की सांस्कृतिक चेतना और देशभक्ति का एक सशक्त प्रतीक बन गया। जब स्वतंत्रता संग्राम अपने चरम पर था, तब अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का प्रमुख नारा वंदे मातरम था। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अनेक क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम का उद्घोष करते हुए फांसी के फंदे को चूमा था। शाह ने कहा, वंदे मातरम हम सभी भारतीयों के लिए केवल एक नारा या गीत नहीं है। वंदे मातरम केवल ऐसा गीत भी नहीं है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत की थी। वंदे मातरम भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र है और विश्व में भारत माता को सर्वोच्च स्थान पर पुनः स्थापित करने का एक माध्यम भी है। इस बैठक में 44 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों, राज्य सरकारों तथा स्वापक कानून लागू करने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने प्रत्यक्ष और ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। बैठक में नशामुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार के प्रयासों को और मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चा का केंद्र सिंथेटिक मादक पदार्थों की बढ़ती चुनौती से निपटना, डाकनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी पर अंकुश लगाना तथा अगले तीन वर्षों में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों की पहुंच का विस्तार करना रहा।

शिवसेना टूट के बावजूद मजबूत है : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी टूट के बावजूद मजबूत बनी हुई है और आदित्य ठाकरे ने पार्टी का नेतृत्व करने की काबिलियत है। हाल ही में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हुए पार्टी के छह सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के प्रस्तावित दौरे से पहले पीटीआई वीडियो से बातचीत में राउत ने आरोप लगाया कि इन नेताओं ने केवल पैसे, सत्ता और संरक्षण के लालच में अपनी निष्ठा बदली है। शिवसेना (उबाठा) के विधायक आदित्य ठाकरे की पार्टी में भूमिका के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा, अगली पीढ़ी को धीरे-धीरे ज्यादा जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हम कितने सालों तक काम करते रहेगे ? हम 40 सालों से काम कर रहे हैं। युवा नेताओं को पार्टी की कमान संभालनी चाहिए और वह ऐसा कर भी रहे हैं। वह (आदित्य) आधिकारिक तौर पर भी ऐसा करेंगे, उनमें काबिलियत है और हम उनका स्वागत करेंगे। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ने वाले नेता असलमार्गनेमें बागी नहीं थे। उन्होंने तर्क दिया कि यह शब्द भगतसिंह और सुखदेव जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के लिए ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए, न कि उन नेताओं के लिए जो पैसे और सत्ता के लिए पाछ



बदलते हैं। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे का दौरा उन सांसदों के निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी का रुख सीधे तौर पर समझाने के लिए किए गए संपर्क अभियान का हिस्सा है, जिन्होंने पार्टी छोड़ी थी। उन्होंने कहा कि सांसद करोड़ों रूपयों के लिए बिक गए , और दावा किया कि शिवसेना का कैडर उद्धव ठाकरे के साथ ही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या इन छह सांसदों की भाव बांगीमा से उनके आत्मविश्वास का पता चलता है, तो राउत ने उन्हें जनता का सामना करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, हमारे दौरे के बाद देखेंगे कि उनका आत्मविश्वास कितना कायम रहता है।... जब विश्वासघात के बाद आपको जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिल जाती है, तो आत्मविश्वास बढ़ ही जाता है।

वेनेजुएला : भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़कर 589 हुई

एजेंसी

काराकस। वेनेजुएला में आए दो शक्तिशाली भूकंपों के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 589 हो गई है, जबकि 2,980 लोग घायल हुए हैं। देश की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने सरकारी और सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में दुनिया भर से आए बचाव दलों की अगुवानी करते हुए यह जानकारी साझा की।

रोड्रिगेज ने कहा कि हम मलबे में

फंसे हुए लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। हम इस काम में दिन-रात जुटे हुए हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति ने कहा कि बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप से ला गुप्रा राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। सरकारी और सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में दुनिया भर से आए बचाव दलों की अगुवानी करते हुए यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि वहां सेना नैनात कर दी गई है और बचाव दल जीवित बचे लोगों की तलाश करने के साथ-साथ भोजन और पानी भी बांट रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल के दो साल, बोले: सफर लंबा

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपने दो साल पूरे कर लिए। इस मौके पर उन्होंने शुक्रवार को कहा कि सफर लंबा है, लेकिन देशवासियों के हक की लड़ाई लड़ने का उनका संकल्प अडिग है। उन्होंने पिछले दो वर्षों में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उठाए गए प्रमुख मुद्दों से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आज दो साल पूरे हुए। इन दो वर्षों में हर दिन एक ही काम रहा, हर भारतीय की आवाज को सत्ता के गलियारे तक पहुंचाना। नीट के छात्रों की लड़ाई हो, वोट चोरी का पर्दाफाश हो या संविधान की रक्षा, हर मोर्चे पर आपके साथ खड़ा रहा, आज भी हूं, हमेशा रहूंगा। उन्होंने कहा, सड़क से संसद तक, आपका भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। सफर



लंबा है, पर संकल्प वही, आपके लिए हर लड़ाई लड़ता रहूंगा। जय हिंद। जय संविधान।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में

राहुल गांधी ने पिछले दो वर्षों के दौरान संविधान, बेरोजगारी, महंगाई, वोट चोरी , किसानों के मुद्दे, दलित, पिछड़े, आदिवासी और

इंटरनेटमें...

कमल हासन-रजनीकांत की फिल्म धर्मन का पहला लुक जारी

चेन्नई। सुपरस्टार रजनीकांत की 173वीं फिल्म का शीर्षक और पहली झलक बुधवार को फिल्म का काम आधिकारिक रूप से शुरू करने संबंधी एक समारोह में पूजा कार्यक्रम के दौरान जारी किया गया।

तमिल सिनेमा में इसे एक ऐतिहासिक सहयोग के रूप में देखा जा रहा है। यह फिल्म अभिनेता-निर्माता कमल हासन के प्रोडक्शन बैनर के तले बन रही है। इस फिल्म का नाम धर्मन रखा गया है, जिसका निर्माण हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्मस् इंटरनेशनल (आरकेएफआई) और आर. महेंद्रन द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन ओह माई कडवुले और डैगन फेम निर्देशक अश्वथ मनीमथु कर रहे हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंद्र तैयार कर रहे हैं। इसमें सिमरन और राशि खन्ना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस



कार्यक्रम में हासन ने रजनीकांत के साथ अपनी पांच दशक लंबी दोस्ती को याद किया और उन दोनों के बीच दशकों पहले किए गए एक वादे का भी जिक्र किया। हासन ने कहा लगभग 40 साल पहले, बॉम्बे की एक उड़ान के दौरान हमने यह फैसला किया था कि

हम दोनों को साथ में एक फिल्म करनी चाहिए, जिसमें या तो वह निर्माता होंगे या मैं। और यह आज हकीकत बन रहा है। रजनीकांत ने 1970 के दशक से अब तक लगातार समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए कमल हासन का आभार जताया।

अतिमनोहरम 24 दिसंबर को रिलीज होगी मोहनलाल की

मुंबई। मलयालम फिल्मों के अभिनेता मोहनलाल ने कहा है कि उनकी अगली फीचर फिल्म अतिमनोहरम 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता ने बृहस्पतिवार शाम सोशल मीडिया मंच एक्स पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा किया, जिसमें वह अभिनेत्री मीरा जैसमीन के साथ नजर आ रहे हैं। मोहनलाल (66) ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, उसकी दुनिया की शुरुआत और अंत उन लोगों से होता है, जिन्हें वह अपना परिवार कहता है। अतिमनोहरम के जरिए मोहनलाल एक बार फिर फिल्मकार तरुण मूर्ति के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2025 में रिलीज हुई रोमांचक फिल्म थुडारुम में साथ काम किया था। अतिमनोहरम का निर्माण

मॉलीवुड टाइम्स (2026) और ओडुम कुथिरा चाडुम कुथिरा (2025) जैसी फिल्मों के निर्माता आशिक उस्मान ने किया है। फिल्म में मोहनलाल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे, जबकि मीरा जैसमीन उनकी पत्नी का किरदार निभाएंगी। मोहनलाल हाल ही में अपनी सुपरहिट दृश्यम श्रृंखला की तीसरी फिल्म दृश्यम 3 में नजर आए थे। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, वह अगले बार रजनीकांत की जेलर 2 और अभिनेता-निर्देशक पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म खलेफा: पार्ट। में विशेष भूमिका (कैमियो) में दिखाई देंगे। खलेफा: पार्ट। अस्त में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, मोहनलाल जूड एंथनी जोसेफ की फिल्म थुडक्कम में भी नजर आएंगे।

शाहिद कपूर की कॉकटेल 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कमाये 106.61 करोड़

नयी दिल्ली। फिल्म कलाकार शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। प्रोडक्शन बैनर मैडॉक फिल्म्स ने बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शाहिद, कृति और रश्मिका के पोस्टर के साथ फिल्म की बॉक्स ऑफिस कमाई के आंकड़े साझा किए। इसके मुताबिक, फिल्म ने अनाम रिलीज के पहले दिन 24 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसके बाद के दिनों में इसने कमशः 29.4 करोड़ रुपये,

29.4 करोड़ रुपये, 32.19 करोड़ रुपये, 10 करोड़ रुपये और 11.01 करोड़ रुपये की कमाई की। वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कुल कमाई 106.61 करोड़ रुपये हो चुकी है। यह फिल्म 2012 की सुपरहिट फिल्म कॉकटेल की अगली कड़ी है। मूल फिल्म में फिल्म कलाकार सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि, यह फिल्म एक बिल्कुल नयी कहानी और नये किरदारों पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुणाल (शाहिद), दीया (रश्मिका) और एली (कृति) के प्रेम त्रिकोण के इर्द-गिर्द घूमती है।

वेलकम 4 का हिस्सा होंगे अनिल और नाना

मुंबई। अभिनेता अक्षय कुमार ने कहा कि अनिल कपूर और नाना पाटेकर उनके लिए परिवार की तरह हैं और जब भी वेलकम 4 बनेगी, दोनों कलाकार निश्चित रूप से फिल्म में वापसी करेंगे। अक्षय, फिल्म वेलकम टूट जंगल में अनिल कपूर और नाना पाटेकर की गैरमौजूदगी को लेकर पूछे गये एक सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। अनिल और नाना ने वर्ष 2007 में आई वेलकम में अक्षय कुमार, कैटरिना कैफ व पंशे रावल के साथ काम किया था तथा लोकप्रिय गैमस्टर किरदार उदय शेट्टी व मजनु भाई की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म प्रशंसकों द्वारा खूब पसंद की गयी थी। अनिल और नाना वर्ष 2015 में आई वेलकम अगेन में भी मुख्य भूमिका में थे, लेकिन उस फिल्म में अक्षय कुमार शामिल नहीं थे। अक्षय कुमार अब वेलकम टूट जंगल में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और यह फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही



है। अक्षय के अलावा फिल्म में पंशे रावल, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, दिशा पाटनी, लारा दत्ता, रवीना टंडन समेत कई अन्य कलाकार भी नजर आएंगे। अक्षय ने कहा वेलकम एक पूरा परिवार है। इसमें नाना, अनिल, मैं और बाकी सभी लोग शामिल हैं। यह एक परिवार की तरह है। अगर कभी वेलकम 4 बनती है, तो आप उन सभी को उसमें देखेंगे।